धनबाद, शनिवार
26 सितंबर 2026
वर्ष : 03 अंक : 353
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

राष्ट्रपति मुर्मु ने छह देशों के राजदूतों के परिचय पत्र स्वीकार किए

नई दिल्ली, (एजेंसी) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में फिनलैंड, वियतनाम, मैक्सिको, एस्टोनिया, यूरोपीय संघ और बेल्जियम के राजदूतों के परिचय-पत्र स्वीकार किए।

फिनलैंड के राजदूत मिक्को किविकोस्की ने सबसे पहले राष्ट्रपति को अपने परिचय-पत्र प्रस्तुत किए। इसके बाद वियतनाम के राजदूत त्रिन्ह मिन्ह मनह, मैक्सिको के राजदूत पेड्रो ब्लांको पेरेज और एस्टोनिया की राजदूत क्रिस्टी कारेलसोहन ने अपने परिचय-पत्र सौंपे।

यूरोपीय संघ के राजदूत जीन-एरिक पाको और बेल्जियम की राजदूत सोफी कार्लशॉसेन ने भी राष्ट्रपति मुर्मू को अपने परिचय-पत्र प्रस्तुत किए।

पारा शिक्षकों को हाई कोर्ट से राहत, बर्खास्तगी का आदेश रद्द

रांची, (एजेंसी) : झारखंड उच्च न्यायालय ने शैक्षणिक प्रमाण पत्र सही नहीं होने के आधार पर पूर्वी सिंहभूम के पारा शिक्षकों को नौकरी से हटाने के आदेश को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने प्रार्थियों को अप्रैल 2025 से बकाया मानदेय का भुगतान करने का भी निर्देश दिया है।

मामले में मेरी मुर्मू एवं अन्य की ओर से उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की गई थी। याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अपना आदेश सुरक्षित रखा था। प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता राजेश कुमार ने पक्ष रखा।

दरअसल, इलाहाबाद और देवघर के कुछ गैर-मान्यता प्राप्त संस्थानों से मैट्रिक और इंटरमीडिएट के प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले पारा शिक्षकों की शैक्षणिक अर्हता को लेकर मामला सामने आया था। इनमें इंटर प्रयाग महिला विद्यापीठ, इलाहाबाद, हिंदी महिला विद्यापीठ, इलाहाबाद और हिंदी विद्यापीठ, देवघर आदि संस्थानों के प्रमाण पत्र शामिल थे।

दारू में बस पर गिरा विशाल पेड़, बाइक सवार गंभीर

हजारीबाग, (एजेंसी) : हजारीबाग जिले के दारू थाना क्षेत्र के पेटो के पास शुक्रवार को तेज बारिश के दौरान एक विशाल पेड़ अचानक धनबाद से हजारीबाग आ रही बस पर गिर गया। हादसे में बस में सवार यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दो-तीन यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। वहीं, पेड़ की चपेट में आने से एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, बस यात्रियों को लेकर धनबाद से हजारीबाग की ओर आ रही थी। इसी दौरान पेटो के पास तेज बारिश के बीच सड़क किनारे खड़ा विशाल पेड़ अचानक उखड़कर बस पर जा गिरा। पेड़ का बड़ा हिस्सा बस के ऊपर और सड़क पर गिरने से कुछ देर के लिए आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। पेड़ गिरते ही बस में सवार यात्रियों के बीच अफरा-तफरी मच गई इसी दौरान सड़क से गुजर रहा एक बाइक सवार भी पेड़ की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।

स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। विशाल पेड़ के सड़क पर गिरने से पेटो के पास दोनों ओर वाहनों की आवाजाही रुक गई। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही दारू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

यूपी में अब तमंचों की जगह बन रही आधुनिक ब्रह्मोस मिसाइल : अमित शाह

उनकी सोच डेड हो चुकी, कहकर राहुल गांधी पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी) : ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में चौथे उत्तरप्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य में आए क्रांतिकारी बदलाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब तमंचों की फैक्ट्री से बदलकर ब्रह्मोस मिसाइलें बनाने वाले प्रदेश बना है, जो देश के विकास का इंजन बन रहा है। केंद्रीय मंत्री शाह ने प्रदेश में निवेश, उत्पादन और रोजगार के तेजी से मजबूत हुए माहौल की सराहना की केंद्रीय मंत्री शाह ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की आर्थिक नीतियों का स्मरण कर कहा कि उनके विचारों से प्रेरणा लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास को नई दिशा मिली है। उन्होंने मेक इन इंडिया अभियान को याद कर बताया कि केंद्र और राज्य सरकारों के साझा प्रयासों से भारत अब उत्पादन और नवाचार का वैश्विक केंद्र बन चुका है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि भारत आज दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अपनी विकास दर बनाए रखी है। उन्होंने यूपीआईटी-एस को उत्तर प्रदेश की बदलती तस्वीर का प्रमाण बताकर उम्मीद जाहिर कि प्रदेश जल्द ही एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य हासिल करेगा। शाह ने 2017 से पहले यूपी की खराब कानून-व्यवस्था और माफिया के प्रभाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने अपराध और माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर औद्योगिक निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। इस बदलाव का उदाहरण देकर उन्होंने कहा, जिन स्थानों पर पहले वाहन चोरी होती थी, वहां अब वाहन निर्माण हो रहा है और चेन स्नैचिंग जैसे अपराधों के लिए बदनाम इलाकों में मेडिकल डिवाइस पार्क जैसी औद्योगिक परियोजनाएं विकसित हो रही हैं। उन्होंने आगरा, अलीगढ़ सहित अन्य क्षेत्रों में डिफेंस कॉरिडोर के माध्यम से रक्षा उत्पादन में प्रदेश के बढ़ते योगदान को भी रेखांकित किया, बताया कि भारत 80 देशों को रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रहा है। शाह ने कहा कि योगी सरकार की नीतियों और बुनियादी ढांचे के विकास से प्रदेश में निवेश बढ़ा है, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। अब यूपी के युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़ता। उन्होंने नोएडा-ग्रेटर नोएडा के एक्सप्रेसवे और मेट्रो जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की सराहना की। भारत की आर्थिक प्रगति पर सवाल उठाने वालों पर निशाना साधकर उन्होंने कहा, कुछ लोग भारत की इकॉनमी को डेड बोलते हैं, मुझे लगता है उनकी सोच डेड है।

ऑपरेशन भरोसा के तहत एसपी ने 61 गुम हुए मोबाइल बरामद कर असली मालिकों को सौंपा

रामगढ़, (एजेंसी) : जिले में आमजनों में पुलिस के प्रति विश्वास को और मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस की ओर से चलाए जा रहे विशेष अभियान ह्यऑपरेशन भरोसाह्न के तहत पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। अभियान के तीसरे चरण में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुम हुए 61 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए।पुलिस के अनुसार, सभी थाना और ओपी प्रभारियों को गुम हुए मोबाइल से संबंधित दर्ज सनहा और सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर विशेष अभियान चलाकर मोबाइल बरामद करने का निर्देश दिया गया था। अभियान के तहत रामगढ़ जिले के अलावा रांची, हजारीबाग, चतरा, बोकारो, पलामू, गढ़वा सहित अन्य जिलों से कुल 61 मोबाइल बरामद किए गए।पुलिस की ओर से जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर बरामद मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए।बरामद 61 मोबाइल में रामगढ़ थाना से 07, रजरप्पा थाना से 07, पतरातू थाना से 10, मांडू थाना से 04, गोला थाना से 05, भुरकुंडा ओपी से 07, बरकाकाना ओपी से 05, बासल थाना से 01, बरलंगा थाना से 03, कुज्जू ओपी से 05, वेस्ट बोकारो ओपी से 03 और भदानीनगर ओपी से 04 मोबाइल शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन भरोसा के प्रथम चरण में 125, द्वितीय चरण में 59 और तृतीय चरण में 61 मोबाइल बरामद किए गए हैं। इस प्रकार अब तक अभियान के तीन चरणों में कुल 245 गुम मोबाइल बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द किया जा चुका है।कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ ने उपस्थित लोगों को सीईआईआर पोर्टल के उपयोग और गुम हुए मोबाइल फोन की ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी। साथ ही लोगों से अपील की गई कि वे अपने परिवार, मित्रों एवं परिचितों को भी गुम मोबाइल की शिकायत दर्ज कराने और सीईआईआर पोर्टल के प्रति जागरूक करें।मोबाइल प्राप्त करने वाले लोगों ने रामगढ़ पुलिस के इस प्रयास की सराहना करते हुए पुलिस के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया। पुलिस ने कहा कि आमजनों की सेवा, गुम हुई संपत्ति की बरामदगी और जनविश्वास को मजबूत करने के उद्देश्य से ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

सेवा यात्रा के अनुभव जीवन की पूंजी, भारत को किताबों से नहीं गांव-गांव जाकर समझें : मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को ह्यसेवा संकल्प अभियानह्न के सेवा यात्रियों से कहा कि यात्रा के दौरान अलग-अलग राज्यों के गांवों में लोगों से जुड़ने और सेवा कार्य करने के अनुभव उनके जीवन की अमूल्य पूंजी बनेंगे। उन्होंने युवाओं से कहा कि भारत की विविधता, गांवों की संस्कृति और समाज की सेवा भावना को किताबों से पूरी तरह नहीं समझा जा सकता, इसके लिए गांव-गांव जाकर लोगों के बीच रहना जरूरी है। मोदी ने यात्रियों से यात्रा के अनुभवों को लिखने और दर्ज करते रहने का भी आग्रह किया।प्रधानमंत्री ने सेवा संकल्प अभियान के तहत वडनगर से वाराणसी जाने वाले दल के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद में कहा कि पिछले करीब 10-12 वर्षों में गांवों में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में बड़ा बदलाव आया है तथा शहर और गांव के बीच का अंतर काफी कम हुआ है। उन्होंने नमो ड्रोन दीदी और लखपति दीदी जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए यात्रियों से पूछा कि क्या उन्हें गांवों में बदलाव महसूस हो रहा है और क्या ग्रामीण भी इस बदलाव की चर्चा करते हैं। यात्रा युवाओं को इन बदलावों को प्रत्यक्ष रूप से देखने और लोगों से सीधे संवाद करने का अवसर दे रही है।मोदी ने सेवा यात्रियों को सुरक्षा का भी ध्यान रखने की सलाह दी। संवाद के दौरान यात्रियों के भगवा साफे का उल्लेख करते हुए उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, ह्लबाइक चलाते समय आप यह साफा पहनकर तो नहीं चलते होंगे? हेलमेट पहनते होंगे ना? साफा को हेलमेट मत समझ लेना।ह्व उन्होंने यात्रियों से परिवार के संपर्क में रहने, जिन क्षेत्रों से गुजरें वहां के लोगों से जुड़ने और उनके संपर्क नंबर लेने तथा वाट्सऐप समूह बनाने का भी सुझाव दिया।प्रधानमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें याद याद किया। दीनदयाल उपाध्याय के समाज जीवन में कर्तव्यों से जुड़े सात सूत्रों- सेवा भाव, संतुलन, संयम, समन्वय, सकारात्मकता, संवेदना और संवाद का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यही सेवा संकल्प यात्रा की आत्मा हैं। गांवों में बच्चों को पढ़ाई की सामग्री देना, पौधारोपण करना, वृद्धजनों की सेवा करना, महिलाओं से संपर्क करना और युवाओं के सपनों को समझना अलग-अलग कार्य दिखाई देते हैं, लेकिन इनके पीछे मानवता को केंद्र में रखकर समाज की सेवा का भाव समान है। मोदी ने महात्मा गांधी के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन के साथ सामाजिक सुधार के लिए भी काम किया और समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ लगातार आवाज उठाई।

सवाल लोकतंत्र के लिए जरूरी, लेकिन विकास के लिए हों, व्यवधान के लिए नहीं : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली,(एजेंसी) : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को युवाओं से समाज और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना के साथ सवाल करने, स्वतंत्र रूप से सोचने और तार्किक निर्णय लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सवाल पूछना लोकतंत्र का जरूरी स्तंभ है, लेकिन सवाल विकास के लिए होने चाहिए, व्यवधान पैदा करने के लिए नहीं।

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) में तीसरे अरुण जेटली स्मृति वाद-विवाद के पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने कहा, ह्लसवाल पूछे बिना लोकतंत्र नहीं हो सकता, लेकिन जहां जरूरी हो, वहां सवाल पूछे जाने चाहिए, व्यवधान पैदा करने के लिए नहीं बल्कि विकास के लिए।

उन्होंने छात्रों से स्वतंत्र निर्णय लेने का आग्रह करते हुए कहा कि किसी का समर्थन करने से पहले यह सवाल किया जाना चाहिए कि उससे समाज और देश को लाभ होगा या नहीं। उन्होंने कहा कि यदि यह सोच विकसित हो जाए तो भारत 2047 से पहले ही विकसित देश बन जाएगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलाधिपति राधाकृष्णन ने एसआरसीसी के 100 वर्ष पूरे होने पर बधाई देते हुए कहा कि एक सदी केवल समय का माप नहीं है, बल्कि यह चरित्र का भी माप है। संस्थान तब टिकाऊ बनते हैं जब वे अपने मूल्यों से जुड़े रहते हुए लगातार खुद को नया रूप देते हैं और बदलते समय के अनुरूप भविष्य के लिए तैयार होते हैं।

उपराष्ट्रपति ने अरुण जेटली को एसआरसीसी के प्रतिष्ठित पूर्व छात्र, राजनेता, संगठनकर्ता और कुशल वक्ता के रूप में याद किया। उन्होंने कहा कि जेटली में कानूनी समझ, राजनीतिक दृष्टि, आर्थिक सोच और प्रभावी संवाद क्षमता का दुर्लभ संयोजन था। उन्होंने जीएसटी, दिवाला एवं दिवालियापन संहिता, कर एवं राजकोषीय सुधारों तथा वित्तीय समावेशन सहित विभिन्न क्षेत्रों में जेटली के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र असहमति से बचने से मजबूत नहीं होता, बल्कि जब असहमति का सामना तर्क, साक्ष्य और संवाद के जरिए किया जाता है तब लोकतंत्र मजबूत होता है। लोकतांत्रिक विमर्श के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, विरोधी विचारों का सम्मान, साक्ष्य आधारित तर्क और संसदीय आचरण जरूरी हैं।कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव का उल्लेख करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि एआई से मिलने वाली चुनौतियों को अवसरों में बदला जा सकता है। कंप्यूटर को कभी नौकरियों के लिए खतरा माना जाता था, लेकिन बाद में वह भारत के सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विकास का प्रमुख माध्यम बना। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में एआई कई चुनौतियों से निपटने में उपयोगी हो सकता है और वास्तविक समय में भाषा अनुवाद इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। राधाकृष्णन ने बताया कि राज्यसभा आठवीं अनुसूची में शामिल सभी भाषाओं में एआई आधारित अनुवाद शुरू करने की दिशा में काम कर रही है। हालांकि, उन्होंने छात्रों को आगाह किया कि वे एल्गोरिदम को अपनी बुद्धि का विकल्प न बनने दें।

देश में 22 लाख करोड़ रुपये के पेट्रोल-डीजल और गैस आयात को कम करना हमारा मिशन: नितिन गडकरी

भोपाल, (एजेंसी) : केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि अब बेहतर शासन संचालन का मूल्यांकन सुखांक की गणना के आधार पर हो रहा है। हमारी सरकार जनता को अच्छी सड़कें, पानी, भोजन, स्वास्थ्य की सुविधा के माध्यम से खुशी जीवन देने की दिशा में कार्य कर रही है। बेहतर सड़कों का निर्माण भी इसी दिशा में एक प्रयास है। इसी दिशा में हम प्रदूषण को कम करना चाहते हैं। देश में 22 लाख करोड़ रुपये का पेट्रोल-डीजल और गैस आयात होता है। इसे कम करने को ही मैंने अपना मिशन बनाया है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी शुक्रवार को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सुगम परिवहन सेवा के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुझे देश में पहली इलेक्ट्रिक बस, कार, इलेक्ट्रिक स्कूटर और ऑटो को झंडी दिखाने का सौभाग्य मिला है। देश में फ्लेक्स इंजन के साथ वाहन तैयार किए जा रहे हैं। इनमें इथेनॉल को ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। दुनिया के कई देशों में इथेनॉल मिश्रित ईंधन से गाड़ियां चलती हैं।

उन्होंने कहा कि भारत में वर्ष 2022 से पेट्रोल में इथेनॉल को मिलाकर फ्यूल डाला जा रहा है। अभी देशभर में 4 करोड़ फोर व्हीलर और 20 करोड़ टू-व्हीलर में यह फ्लूड डाला जा रहा है। एक रिपोर्ट में सामने आया है कि इथेनॉल के इस्तेमाल से वाहन को नुकसान नहीं होता, बल्कि गाड़ी का एवरेज भी बढ़ा है। देश का किसान अब अन्नदाता से ऊजार्दाता भी बना है।

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सहित अन्य वैकल्पिक ईंधन की व्यवस्था आवश्यककेंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी से पेट्रोल-डीजल का खर्च बचता है। गरीबों को इलेक्ट्रिक एयरकंडीशन बसों की सुविधाएं मिलनी चाहिए। इन बसों का किराया डीजल बसों की तुलना में 30 प्रतिशत कम होना चाहिए, यह हमारा सपना है।

देश में 10 रूट्स पर हाइड्रोजन से चलने वाली बसें चलाने की पहल की गई है। अब सभी ऑटोमोबाइल कंपनियां फ्लेक्स फ्यूल इंजन के साथ वाहन तैयार करेंगे, जिनमें 100 प्रतिशत इथेनॉल का इस्तेमाल किया जाएगा। अब देश को 22 लाख करोड़ का पेट्रोल-डीजल आयात नहीं करना पड़ेगा। देश के किसान मक्का से इथेनॉल तैयार करेंगे और प्रदूषण का स्तर घटेगा। उत्तर प्रदेश और बिहार में किसानों को मक्का का भाव 2600 रुपए मिल रहा है। वैकल्पिक ईंधन की व्यवस्था से ही देश में आर्थिक स्वावलंबन का मॉडल बनेगा।

सिटी बसों को दिव्यांगजनों और बुजुर्गों की सुविधा को देखते किया गया डिजाइन

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि तकनीक के जरिए हम वेस्ट को वेल्थ में बदल सकते हैं। ऑटोमोबाइल सेक्टर में हमने जापान को पीछे छोड़कर दुनिया में तीसरा स्थान हासिल किया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था को अगले साल में तीसरे स्थान पर लेकर जाना है। इसमें ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री की भूमिका सबसे अहम होगी। देश में ई-बसों के निर्माण के लिए वर्ल्ड क्लास बॉडी स्ट्रक्टर कोड लागू किया गया है। अब बसों का रजिस्ट्रेशन टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जांच करने के बाद किया जाएगा। अब चेक लिस्ट के भौतिक और वीडियो सत्यापन के बाद ही बसों का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। आरटीओ ऑफिस की 17 सेवाओं को डिजिटल कर दिया गया है। हमारी सरकार ने सभी सिटी बसों को दिव्यांगजनों और बुजुर्गों की सुविधा को देखते हुए डिजाइन तैयार किए हैं।

हाई कोर्ट से झारखंड आर्म्ड पुलिस के कर्मचारियों को बकाया वेतन और सेवा लाभ देने का आदेश

रांची, (एजेंसी) : झारखंड उच्च न्यायालय ने झारखंड सशस्त्र पुलिस में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी के पद पर नियुक्त दिकेश कुमार एवं अन्य को बड़ी राहत देते हुए राज्य सरकार को नियुक्ति रद्द होने से पुनः सेवा में बहाल किए जाने तक की अवधि का पूर्ण बकाया वेतन और सभी परिणामी सेवा लाभ देने का निर्देश दिया है। अदालत ने राज्य सरकार को आदेश का अनुपालन आठ सप्ताह के भीतर सुनिश्चित करने को कहा है।दरअसल, यह मामला वर्ष 2016 में झारखंड सशस्त्र पुलिस में चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों के पद पर हुई नियुक्तियों से जुड़ा है। नियुक्ति के कुछ समय बाद चयन परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर शिकायतें और समाचार सामने आए थे। इसके बाद राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया था।

कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर पूरी चयन प्रक्रिया को निरस्त कर नियुक्त कर्मचारियों की सेवाएं भी समाप्त कर दी गई थीं। इसके खिलाफ दिकेश कुमार एवं अन्य ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। मामलों की सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने नियुक्तियों को निरस्त करने संबंधी आदेश को रद्द कर दिया और याचिकाकताओं को परिणामी सेवा लाभ पाने का हकदार माना था।

उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में राज्य सरकार ने सभी याचिकाकताओं को पुनः सेवा में बहाल कर दिया। हालांकि, इसके बाद राज्य सरकार ने आदेश जारी कर यह निर्णय लिया कि सेवा से बाहर रहने की अवधि का वेतन ह्यह्यकाम नहीं, तो वेतन नहीं के सिद्धांत के आधार पर देय नहीं होगा।राज्य सरकार के इस निर्णय को दिकेश कुमार एवं अन्य ने फिर उच्च न्यायालय में चुनौती दी। याचिकाकताओं की ओर से दलील दी गई कि पूर्व में अदालत ने नियुक्तियां निरस्त करने वाले आदेश को रद्द करते हुए उन्हें स्पष्ट रूप से परिणामी सेवा लाभ का हकदार माना था। इस आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने कोई अपील दाखिल नहीं की। ऐसे में आदेश अंतिम हो चुका है और राज्य सरकार केवल पुनर्बहाली का लाभ देकर बकाया वेतन एवं अन्य परिणामी सेवा लाभ से उन्हें वंचित नहीं कर सकती।याचिकाकताओं ने यह भी तर्क दिया कि सेवा से बाहर रहने की अवधि उनके किसी स्वैच्छिक कृत्य के कारण नहीं थी, बल्कि राज्य सरकार की ओर से नियुक्तियां निरस्त किए जाने के कारण वे सेवा से बाहर रहे। बाद में अदालत ने नियुक्ति समाप्त करने संबंधी आदेश को ही रद्द कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

भारी बारिश के अलर्ट पर 26 सितंबर को कक्षा 12 वीं तक के सभी स्कूल बंद, ऑनलाइन पढ़ाई का निर्देश

पूर्वी सिंहभूम, (एजेंसी) : पूर्वी सिंहभूम जिले में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने 26 सितंबर को कक्षा 12 तक के सभी विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार जिले में शनिवार को भीषण एवं लगातार भारी बारिश होने की संभावना है। विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह एहतियाती निर्णय लिया है।

जिला प्रशासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार पूर्वी सिंहभूम में संचालित सभी सरकारी, निजी और अल्पसंख्यक विद्यालय 26 सितंबर को बंद रहेंगे। आदेश कक्षा 12 तक के विद्यालयों पर लागू होगा। प्रशासन ने सभी विद्यालय प्रबंधन और संबंधित संस्थानों को आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विद्यालयों में अवकाश रहने के बावजूद विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित नहीं हो, इसके लिए ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन सुनिश्चित किया जाए। विद्यालय प्रबंधन को विद्यार्थियों की शैक्षणिक गतिविधियों को यथासंभव ऑनलाइन माध्यम से जारी रखने को कहा गया है।

प्रशासन ने बताया कि जिले में मौसम की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। बारिश और मौसम की परिस्थितियों का आकलन करने के बाद आवश्यकता पड़ने पर आगे भी दिशा-निर्देश जारी किए जा सकते हैं। प्रशासन ने अभिभावकों और विद्यार्थियों से खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलने और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की है।

जारी आदेश की अवहेलना करने वाले विद्यालय या संस्थान के विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की जा सकती है। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विद्यालयों को आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना के लिए देवघर पहुंचे बिहार के मंत्री कुमार शैलेन्द्र

देवघर, (एजेंसी) : बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग के मंत्री और वॉलीबॉल संघ के संरक्षक इंजीनियर कुमार शैलेन्द्र शुक्रवार को देवघर पहुंचे। देवघर आगमन के दौरान उन्होंने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर बाबा बैद्यनाथ का आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर सारठ के समाजसेवी अशोक राय ने बुके भेंट कर मंत्री का स्वागत किया। इसके बाद देवघर जिला वॉलीबॉल संघ के पदाधिकारियों एवं खेल से जुड़े लोगों के साथ वॉलीबॉल के विकास को लेकर चर्चा हुई।

वही देवघर जिले में वॉलीबॉल की वर्तमान गतिविधियों, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं के आयोजन तथा ग्रामीण स्तर पर प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने जैसे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। खिलाड़ियों को बेहतर अवसर और खेल के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई।

इस दौरान समाजसेवी अशोक राय ने कहा कि मंत्री कुमार शैलेन्द्र शानदार व्यक्तित्व के धनी और बेहद मिलनसार हैं। उनसे पारिवारिक संबंध होने के कारण समय-समय पर मुलाकात होती रहती है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जिला स्तर पर एक भव्य वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित करने की योजना है। इस आयोजन को सफल बनाने में मंत्री कुमार शैलेन्द्र का मार्गदर्शन हमेशा मिलता रहा है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है कि इन खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं और आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलें।

इस अवसर पर देवघर जिला वॉलीबॉल संघ के पदाधिकारी एवं खेल जगत से जुड़े अन्य लोग मौजूद थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110 वीं जयंती पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया नमन

पूर्वी सिंहभूम, (एजेंसी) : भारतीय जनसंघ के संस्थापक और एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110 वीं जयंती शुक्रवार को भाजपा जमशेदपुर महानगर की ओर से श्रद्धापूर्वक मनाई गई।साकची स्थित भाजपा जिला कार्यालय में महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी कार्यकताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान कार्यकताओं ने उनके विचारों और आदर्शों को अपनाने तथा अंत्योदय के लक्ष्य को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अमर रहें और भारत माता की जय के नारे भी लगाए। महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रवादी राजनीति के प्रमुख विचारक और भाजपा कार्यकताओं के प्रेरणास्रोत रहे हैं। उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण की अवधारणा को सामने रखा। उनका जीवन सादगी, अनुशासन, सिद्धांत और संगठन के प्रति समर्पण का उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती जिला कार्यालय के साथ जमशेदपुर महानगर के सभी 28 मंडलों और बूथ स्तर पर भी मनाई गई। विभिन्न मंडलों में अध्यक्षों के नेतृत्व में कार्यकताओं और बूथ सदस्यों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहिन सिन्हा, प्रदेश उपाध्यक्ष सह पूर्व सांसद आभा महतो, पूर्व जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह, चंद्रशेखर मिश्रा, सुधांशु ओझा, राजन सिंह, मनोज सिंह, जटाशंकर पांडेय, कुलवंत सिंह बंटी, संजीव सिंह, बबुआ सिंह, अमरजीत सिंह राजा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

पितरों को पानी देने शिवगंगा पहुंचे वंश के लोग

देवघर, (एजेंसी) : पितरों को श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनकी आत्मा की शांति के लिए तर्पण करने की परंपरा के तहत शुक्रवार को 12 श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ मंदिर स्थित शिवगंगा पहुंचे।

श्रद्धालुओं ने काशी फूल, कुश, तिल एवं फल के माध्यम से अपने पूर्वजों को तर्पण अर्पित कर उन्हें स्मरण किया। इसके साथ ही शिवगंगा में पितृपक्ष को लेकर श्रद्धालुओं की आवाजाही भी शुरू हो गई है।

पितृपक्ष की मुख्य श्राद्ध तिथियां 27 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक रहेंगी। वहीं 26 सितंबर को पूर्णिमा श्राद्ध होगा। 27 सितंबर से प्रतिपदा श्राद्ध के साथ मुख्य पितृपक्ष की शुरूआत होगी। इससे पहले शिवगंगा में 24 से 26 सितंबर तक ऋषि तर्पण की परंपरा निभाई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, 24 सितंबर को प्रथम ऋषि तर्पण के तहत अगस्त्य ऋषि को काशी फूल, कुश, तिल और फल के माध्यम से तर्पण किया गया। 25 सितंबर को द्वितीय ऋषि तर्पण में शंख के माध्यम से, जबकि 26 सितंबर को तृतीय ऋषि तर्पण में घट के माध्यम से तर्पण करने की परंपरा है।

मौके पर संजय महाराज ने बताया कि 27 सितंबर को प्रतिपदा, 28 सितंबर को द्वितीया और 29 सितंबर को तृतीया श्राद्ध और तर्पण होगा। 30 सितंबर को चतुर्थी और पंचमी दोनों श्राद्ध पड़ेंगे। इसके बाद ०1 अक्टूबर को षष्ठी, ०2 अक्टूबर को सप्तमी, ०3 अक्टूबर को अष्टमी, ०4 अक्टूबर को नवमी, ०5 अक्टूबर को दशमी, ०6 अक्टूबर को एकादशी, ०7 अक्टूबर को द्वादशी, ०8 अक्टूबर को त्रयोदशी और ०9 अक्टूबर को चतुर्दशी श्राद्ध एवं तर्पण होगा। 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या के साथ पितृपक्ष का समापन होगा।

धार्मिक परंपरा के अनुसार तर्पण को देव तर्पण, ऋषि तर्पण, दिव्य मानव तर्पण, दिव्य पितृ तर्पण, यम तर्पण और मनुष्य पितृ तर्पण सहित विभिन्न भागों में विभाजित किया गया है। पितृपक्ष के दौरान श्रद्धालु अपने पूर्वजों के निमित्त जल, तिल, कुश, पुष्प और अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर उनका स्मरण करते हैं।

धार्मिक मान्यता है कि पितृपक्ष में पूर्वजों के निमित्त श्रद्धापूर्वक किया गया तर्पण उन्हें समर्पित स्मरण और श्रद्धा का प्रतीक है। इसी विश्वास के साथ श्रद्धालु शिवगंगा पहुंचकर अपने पितरों के लिए जल अर्पित कर रहे हैं।

मन को विषयों से हटाकर आत्मा में स्थिर करना ही 'उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म' : मुनिश्री

रामगढ़,(एजेंसी) : जिले में दसलक्षण महापर्व के दसवें एवं अंतिम दिन शुक्रवार को शहर के मेन रोड स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर एवं रांची रोड स्थित 1008 श्री पार्श्वनाथ जिनालय में शुक्रवार को 'उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म' की श्रद्धा और भक्ति के साथ आराधना की गई। दस दिनों तक चले इस महापर्व में जैन श्रद्धालुओं ने भगवान जिनेन्द्र देव की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना, अभिषेक, शांतिधारा और धार्मिक अनुष्ठानों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुनिश्री 108 पुण्यानंद जी महाराज, मुनिश्री 108 शुभानंद जी महाराज एवं क्षुल्लकश्री 105 दिव्यानंद जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में मंदिर परिसर का वातावरण भक्तिमय बना रहा। अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म के संदेश को आत्मसात करते हुए संयम, तप और आत्मशुद्धि का संकल्प लिया।

प्रवचन के दौरान मुनिश्री 108 शुभानंद जी महाराज ने कहा कि मन को सांसारिक विषयों से हटाकर आत्मा में स्थिर करना ही उत्तम ब्रह्मचर्य है। ब्रह्मचर्य केवल इंद्रियों के संयम तक सीमित नहीं है, बल्कि मन, वचन और कर्म की शुद्धता के साथ आत्मस्वरूप में रमण करना इसका वास्तविक स्वरूप है। आत्मसंयम के माध्यम से ही मनुष्य अपने भीतर स्थित अनंत गुणों को जागृत कर सकता है।

वहीं अनंत चतुर्दशी के पावन अवसर पर जैन समाज में विशेष धार्मिक अनुष्ठान किए गए। जैन धर्म में अनंत चतुर्दशी का विशेष महत्व माना जाता है। यह दिन आत्मसंयम, तप, त्याग और आत्मा के अनंत गुणों की आराधना के लिए समर्पित है।श्री दिगम्बर जैन मंदिर में पांडुशिला पर विराजमान भगवान वासुपूज्य की अष्टधातु प्रतिमा का कलश से अभिषेक किया गया। इसके पुण्यार्जक अरुणा जैन और डॉ शरद जैन, पुलक-आराध्या जैन परिवार रहे। वहीं , शांतिधारा के पुण्यार्जक अशोक जैन एवं विकास जैन रपरिया परिवार रहे।वेदी पर विराजमान तीनों बड़ी प्रतिमाओं का कलश से अभिषेक अरुणा जैन, डॉ शरद जैन परिवार, हरक चंद जैन, नम्रता जैन, विवेक, विकास, सम्यक, शाश्वत अजमेरा परिवार और अशोक एवं विकास रपरिया परिवार ने किया। इसी क्रम में 1008 श्री पार्श्वनाथ जिनालय, रांची रोड में भी धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। यहां प्रथम अभिषेक के पुण्यार्जक अशोक एवं विकास रापड़िया रहे। शांतिधारा के पुण्यार्जक योगेश, निशा एवं आर्जव सेठी रहे।

तारापोर स्कूल के विद्यार्थियों ने एनएमएल में देखा वैज्ञानिक अनुसंधान

पूर्वी सिंहभूम, (एजेंसी) : सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (सीएसआईआर-एनएमएल), जमशेदपुर में शुक्रवार को जिग्यासा कार्यक्रम के तहत तारापोर स्कूल, एग्रीको के कक्षा 11 वीं और 12 वीं के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में स्कूल के कई विद्यार्थी शामिल हुए। विद्यार्थियों के साथ चार शिक्षक भी मौजूद रहे। इनमें चंचल शर्मा और पामेला वर्मा प्रमुख रूप से शामिल थीं। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार और खनिज, धातु और सामग्री विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे कार्यों से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था।

कार्यक्रम में सीएसआईआर-एनएमएल के वरिष्ठतम मुख्य वैज्ञानिक और एमटीई प्रभाग के अध्यक्ष डॉ एस शिवप्रसाद ने विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति जिज्ञासा बनाए रखने और समस्याओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समझने के लिए प्रेरित किया।

वैज्ञानिक-ई डॉ अनिमेष जाना ने विद्यार्थियों को सीएसआईआर की कार्यप्रणाली और देशभर में संचालित उसकी विभिन्न प्रयोगशालाओं की जानकारी दी।

उन्होंने सीएसआईआर-एनएमएल में चल रहे अनुसंधान कार्यों के साथ विज्ञान और नवाचार में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध संभावनाओं से भी अवगत कराया।

अनंत चतुर्दशी को लेकर बाबा मंदिर में उमड़ी भीड़

देवघर, (एजेंसी) : भाद्रपद शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर शुक्रवार को अनंत चतुर्दशी का पर्व बाबा बैद्यनाथ मंदिर में श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया।

पर्व को लेकर सुबह से ही बाबा मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ की पूजा-अर्चना की और मंदिर परिसर में अनंत कथा का श्रवण कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच 14 गांठों वाले अनंत सूत्र को धारण करने को लेकर भी खासा उत्साह देखा गया। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप एवं शेषनाग की पूजा की जाती है। श्रद्धालु व्रत रखकर जीवन में आने वाले संकटों से मुक्ति तथा परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हैं।

पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने अनंत कथा का श्रवण किया और विधि-विधान से अनंत सूत्र धारण किया। मान्यता है कि अनंत सूत्र में लगी 14 गांठें 14 लोकों और भगवान विष्णु के विभिन्न स्वरूपों का प्रतीक मानी जाती हैं। इसे भगवान विष्णु के प्रति श्रद्धा और रक्षा-संकल्प के प्रतीक के रूप में धारण किया जाता है।

बताया जाता है कि अनंत सूत्र शुद्ध सूत या रेशम के धागे से तैयार किया जाता है, जिसमें 14 गांठें लगाई जाती हैं। श्रद्धालु पूजा के दौरान भगवान विष्णु का ध्यान करते हुए अनंत कथा का श्रवण करते हैं और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। देवघर के बाबा मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ की पूजा के साथ अनंत चतुर्दशी की धार्मिक परंपरा निभाई।

श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन एवं पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए गए थे । मंदिर परिसर और श्रद्धालुओं की आवाजाही वाले प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई। पुलिस जवानों ने भीड़ को नियंत्रित करने के साथ श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही सुनिश्चित की, ताकि पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।

अंतरराष्ट्रीय सर्पदंश और विश्व रेबीज दिवस पर जागरूकता अभियान का शुभारंभ

देवघर, (एजेंसी) : अंतरराष्ट्रीय सर्पदंश दिवस और विश्व रेबीज दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को आम लोगों को सर्पदंश एवं रेबीज से बचाव, समय पर उपचार तथा आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान की शुरूआत की। सदर अस्पताल, देवघर के सभागार में सिविल सर्जन डॉ एसपी मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर अभियान का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी, विभिन्न प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, शहरी सहिया सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। इस दौरान सर्पदंश एवं रेबीज जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव और समय पर चिकित्सकीय सहायता लेने के प्रति लोगों को जागरूक करने पर जोर दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से बताया गया कि सर्पदंश की स्थिति में बिना समय गंवाए पीड़ित को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाना चाहिए। झाड़-फूंक, अंधविश्वास या घरेलू उपचार के भरोसे समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। समय पर सही चिकित्सकीय उपचार मिलने से गंभीर स्थिति से बचाव संभव है।

इसी प्रकार कुत्ते, बिल्ली या किसी अन्य संभावित संक्रमित पशु के काटने या खरोंच लगने पर घाव को तत्काल साबुन और बहते पानी से अच्छी तरह धोने एवं बिना देरी किए स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी गई। रेबीज से बचाव के लिए चिकित्सक की सलाह के अनुसार आवश्यक टीकाकरण कराना भी महत्वपूर्ण बताया गया।

अभियान के तहत प्रखंड स्तर पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों और शहरी सहिया के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोगों को सर्पदंश एवं रेबीज से बचाव, प्राथमिक सावधानियों तथा समय पर उपचार के महत्व की जानकारी दी जाएगी।

सिविल सर्जन डॉ एसपी मिश्रा ने स्वास्थ्य पदाधिकारियों एवं कर्मियों से अभियान को प्रभावी बनाने और अधिक से अधिक लोगों तक जागरूकता संदेश पहुंचाने की अपील की। उन्होंने आमजनों से भी सर्पदंश या पशु के काटने की स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल चिकित्सकीय सहायता लेने तथा झाड़-फूंक से बचने की अपील की।

एसआइआर नोटिस का मतलब नाम हटना नहीं, दस्तावेज देकर दूर करें विसंगति : उपायुक्त

खूंटी, (एजेंसी) : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो. जावेद हुसैन ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जिले में चल रही प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसआईआर के तहत जारी नोटिस का अर्थ मतदाता का नाम मतदाता सूची से हटना नहीं है। संबंधित मतदाता सुनवाई के दौरान आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर अपनी स्थिति स्पष्ट कर सकते हैं।

उपायुक्त ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और एसआईआर से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए निर्वाचन कार्यालय से संपर्क करने की अपील की। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 1,32,164 मतदाताओं को नोटिस जारी किया गया है। इनमें 26,980 मतदाताओं की वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग नहीं हो सकी है, जबकि 1,05,184 मामलों में तार्किक विसंगति चिह्नित की गई है। उन्होंने तीन-चार लाख मतदाताओं के नाम हटाए जाने संबंधी चचाओं को भ्रामक और तथ्यहीन बताया।उपायुक्त ने बताया कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची में मैपिंग नहीं होने वाले मतदाताओं से उस सूची में दर्ज माता-पिता के नाम से संबंधित दस्तावेज मांगे जा रहे हैं। रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में दादा-दादी या नाना-नानी से संबंधित दस्तावेज भी प्रस्तुत किए जा सकते हैं। वहीं, तार्किक विसंगति के तहत माता-पिता और बच्चों की उम्र में असामान्य अंतर, दस्तावेज और दर्ज नाम में अंतर सहित करीब 15 प्रकार की विसंगतियां चिह्नित की जा रही हैं। उपायुक्त ने बताया कि विभिन्न बूथों पर कैंप लगाकर मतदाताओं की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। जो लोग कैंप में नहीं पहुंच पा रहे हैं, उनके लिए घर-घर सत्यापन और आउटरीच की व्यवस्था की जा रही है। प्रथम चरण की सुनवाई 12 अक्टूबर तक पूरी करने का प्रयास किया जा रहा है।

रामगढ़ में 25 हजार लोगों ने एक साथ गाया वंदेमातरम

रामगढ़, (एजेंसी) : वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विद्या भारती के आह्वान पर रामगढ़ में आयोजित ह्यनमामि भारतम्ह्व कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को रामगढ़ जिले में एक साथ, एक लय और एक स्वर में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया।

जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं प्रमुख स्थानों पर हजारों लोगों ने एक साथ वंदे मातरम् का गायन कर राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की ओर से इस आयोजन को लेकर पिछले कई दिनों से व्यापक तैयारियां की जा रही थीं। विद्यालय परिवार के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न विद्यालयों, अभिभावकों, पूर्व छात्रों और समाज के लोगों को कार्यक्रम से जोड़ने के लिए संपर्क अभियान चलाया गया। इसके परिणामस्वरूप जिले में लगभग 25 हजार लोगों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। आयोजन में जिले के 27 विद्यालयों के छात्र, शिक्षक सहित अन्य उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव शंकर लाल अग्रवाल ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वंदे मातरम् भारत की राष्ट्रीय चेतना और मातृभूमि के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। इसके 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देशभर में एक साथ सामूहिक गायन का आयोजन गौरवपूर्ण है। उन्होंने कहा कि रामगढ़ जिले में 25 हजार लोगों की सहभागिता समाज में राष्ट्रभावना के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय परिवार, अभिभावकों, पूर्व छात्रों एवं समाज के सभी सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्लाईवुड दुकान में चोरी का खुलासा, चार आरोपित गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम, (एजेंसी) : जुगसलाई के घोड़ा चौक स्थित मल्लिक प्लाईवुड दुकान में हुई चोरी का पुलिस ने शुक्रवार को खुलासा कर दिया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कपाली क्षेत्र में छापेमारी कर चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की निशानदेही पर चोरी के दो लैपटॉप, 19 हजार रुपये नकद, एक बैग और चार मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

वारदात में इस्तेमाल बाइक और स्कूटी भी पुलिस ने जब्त की है। पुलिस के अनुसार चोरी में शामिल एक अन्य आरोपित अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।विधि-व्यवस्था के पुलिस उपाधीक्षक सुमित कुमार ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि 20 और 21 सितंबर की रात जुगसलाई थाना क्षेत्र के घोड़ा चौक स्थित मल्लिक प्लाईवुड दुकान को चोरों ने निशाना बनाया था। दुकान संचालक सुमित मल्लिक की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ जुगसलाई थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों से मिले सुराग के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपितों की पहचान की और कपाली ओपी क्षेत्र में 24 सितंबर को छापेमारी की। इस कार्रवाई में नूर मोहम्मद, दानिश हुसैन, शेख गनी इमाम उर्फ लकी और शहनवाज खान को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के मुताबिक आरोपितों ने दुकान की ग्रिल और शीशा तोड़कर अंदर प्रवेश किया था। दुकान से सामान और नकदी चोरी करने के बाद सभी फरार हो गए थे। गिरफ्तार आरोपितों की निशानदेही पर पिंक रंग का पीठू बैग, लेनोवो कंपनी का काला लैपटॉप, एसर कंपनी का सिल्वर रंग का लैपटॉप और चोरी की रकम में से 19 हजार रुपये बरामद किए गए। इसके अलावा चार एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी पुलिस ने बरामद किए हैं।

पुलिस ने घटना में इस्तेमाल बाइक संख्या जेएच05डीबी1675 और स्कूटी संख्या जेएच05ईएफ2314 भी जब्त की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार वाहनों की पहचान और बरामदगी में सीसीटीवी फुटेज से मिले सुरागों की अहम भूमिका रही।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

मिलावटी पनीर के खिलाफ धनबाद में बड़ी कार्रवाई, गौतम डेयरी सील

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जिले में मिलावटी खाद्य पदार्थों की रोकथाम को लेकर जिला प्रशासन ने विशेष अभियान शुरू किया है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. राजा कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने शुक्रवार को धनबाद शहर के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों में औचक छापेमारी की।

कार्रवाई के दौरान कई दुकानों से पनीर, घी और खोवा के नमूने लिए गए, जिन्हें रासायनिक जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला, रांची भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में संदिग्ध पाए गए खाद्य पदार्थों को मौके पर ही जब्त किया गया।

स्टील गेट स्थित गौतम डेयरी में जांच के दौरान संचालक दुकान छोड़कर फरार हो गया। टीम ने प्रतिष्ठान का एफएसएसएआई लाइसेंस भी एक्सपायर्ड पाया। दुकान से 48 किलोग्राम संदिग्ध पनीर, 2 किलोग्राम घी और खोवा बरामद किया गया। भारी मात्रा में संदिग्ध खाद्य सामग्री मिलने और संचालक के फरार होने के बाद प्रतिष्ठान को तत्काल सील कर दिया गया।

वहीं, पुलिस लाइन स्थित राकेश डेयरी से 10 किलोग्राम संदिग्ध पनीर जब्त किया गया। इसके अलावा सरायढेला स्थित रूफ 709, निर्मल स्वीट्स और रमेश डेयरी तथा बरटांड़ स्थित गंगा डेयरी से पनीर, घी और खोवा-मिठाई के नमूने लिए गए। मौके पर जांच में विफल पाए गए खाद्य पदार्थों को भी जब्त किया गया।

उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि आम लोगों को शुद्ध, स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह अभियान पूरे जिले में लगातार जारी रहेगा। मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने और बिना वैध लाइसेंस के खाद्य कारोबार संचालित करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वहीं उपायुक्त ने स्पष्ट किया है कि आम नागरिकों को शुद्ध, स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह निरीक्षण अभियान पूरे जिले में निरंतर जारी रहेगा। मिलावटखोरों और बिना वैध लाइसेंस के खाद्य कारोबार संचालित करने वालों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभियान में खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. राजा कुमार के साथ नवनियुक्त खाद्य सुरक्षा अधिकारी चंदन साव, चन्द्रदेव गंझू, जैस्मीन केरकेट्टा, नैना नायक सहित विभागीय कर्मी राहुल कुमार पासवान, राहुल कुमार, अमित कुमार एवं शुभम कुमार उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

आईआईटी आईएसएम में घटते जलस्तर और संरक्षण पर विशेषज्ञों ने की चर्चा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद के आईआईटी आईएसएम में 6वें भारतीय राष्ट्रीय भूजल सम्मेलन का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। सम्मेलन में देशभर से वैज्ञानिक, स्कॉलर्स और भूजल विशेषज्ञ शामिल हुए। इस दौरान भूजल संरक्षण, लगातार घटते जलस्तर, भूजल रिचार्ज, उसकी मात्रा और गुणवत्ता सहित जल संसाधनों के बेहतर और सतत इस्तेमाल को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के कन्वीनर प्रोफेसर मृत्युंजय कुमार सिंह ने कहा कि लगातार गिरता भूजल स्तर गंभीर चिंता का विषय है। भूजल एक सीमित संसाधन है, इसलिए इसके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना जरूरी है।

उन्होंने बताया कि भूजल के रिचार्ज, मात्रा और गुणवत्ता को बेहतर तरीके से समझने के लिए विभिन्न आईआईटी और विश्वविद्यालयों से विशेषज्ञ, स्पीकर्स और स्कॉलर्स सम्मेलन में पहुंचे हैं। सम्मेलन के माध्यम से विशेषज्ञ अपने शोध, अनुभव और सुझाव साझा कर रहे हैं।

राष्ट्रीय भूजल सम्मेलन में भूजल संरक्षण से जुड़ी चुनौतियों पर विशेषज्ञों ने मंथन किया। साथ ही भविष्य में भूजल के सतत संरक्षण, रिचार्ज और बेहतर उपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया।

लोयाबाद के एकड़ा में जमीन से निकला धुआं, इलाके में मची अफरा-तफरी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबाद के लोयाबाद थाना क्षेत्र के एकड़ा में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक जमीन से धुआं निकलने लगा। धुआं निकलने की सूचना के बाद आसपास के लोगों में डर का माहौल है। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी बीसीसीएल को दे दी है, वहीं सूचना के काफी देर बाद बीसीसीएल के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस जगह से धुआं निकल रहा है, उसके नीचे कभी बीसीसीएल की ओर से कोयला निकाला जाता था। बाद में इस स्थल को बालू से भरा जाना था। लेकिन बीसीसीएल की तरफ से बालू की भराई का कार्य नहीं किया गया। लोगों के मुताबिक, तेज बारिश के बाद जब जमीन में नमी बढ़ती है, तो इस इलाके में जमीन के नीचे से इसी तरह धुआं निकलता है।हालांकि, अचानक धुआं निकलने के बाद स्थानीय लोगों में आशंका बढ़ गई है। लोगों को डर है कि कहीं एकड़ा में भी टंडावाडी, छाताबाद, सिजुआ और लोयाबाद की मुस्लिम पट्टी जैसी भू-धंसान या आग से जुड़ी घटना न हो जाए।

वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर राजकमल में राष्ट्र गीत का गायन

वंदे मातरम महज एक राष्ट्र गीत ही नहीं यह भारत की आत्मा है : सुमन्त कुमार मिश्रा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के सुअवसर पर राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर अशोक नगर धनसार धनबाद में लगभग 3350 भैया बहनों ने राष्ट्र गीत गाया। यह कार्यक्रम विद्यालय के चार सभागारों के अतिरिक्त अन्य स्थानों पर संपन्न हुआ। राष्ट्रगीत गायन के पहले भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन किया गया तत्पश्चात विद्यालय के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा ने राष्ट्रगीत से जुड़ी कई प्रसंगों को साझा किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि वंदे मातरम केवल राष्ट्र गीत ही नहीं, यह भारत की आत्मा है। वंदे मातरम केवल कुछ शब्दों का समूह या एक गीत नहीं है अपितु यह हमारे देश की मिट्टी की सुगंध, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का त्याग और हर हिंदुस्तानी के दिल की धड़कन है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शिक्षण संस्था विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान ,नई दिल्ली के तत्वावधान में राष्ट्रगीत का गायन देश के लगभग हजारों विद्या मंदिरों में कराया गया। इसी क्रम में विद्या भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र के विद्या मंदिरों में भी यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। बताते चलें कि बिहार एवं झारखंड इन दो राज्यों को ही उत्तर पूर्व क्षेत्र कहा जाता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यवाह संजय कुमार, विद्यालय के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा,अवकाश प्राप्त प्राचार्य शिव बालक सिंह, विद्यालय समिति के सदस्य संजय मोर, राजेश रिटोलिया,उप प्राचार्य मनोज कुमार समेत सभी प्रभारी एवं शिक्षक शिक्षिकाएं वंदे मातरम गीत गायन के साक्षी बने।

धनबाद रेल मंडल में चला विशेष स्वच्छता अभियान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः स्वच्छता ही सेवा अभियान के नौवें दिन धनबाद रेल मंडल में स्वच्छता सह जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय, धनबाद एवं धनबाद रेलवे स्टेडियम में विशेष खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. खेल गतिविधियों के माध्यम से छात्र-छात्राओं, खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों को ह्यस्वच्छता और स्वास्थ्यह्ल के परस्पर संबंध के प्रति जागरूक करते हुए स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया. इसके साथ ही धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया. अभियान के तहत स्टेशन परिसरों, प्लेटफॉर्मों, रेल पटरियों एवं यात्री प्रतीक्षालयों की साफ-सफाई की गई` सफाई अभियान के दौरान यात्रियों को रेलवे परिसरों को स्वच्छ रखने में सक्रिय सहयोग देने तथा सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग पूर्णतः बंद करने के लिए जागरूक किया गया.

सड़क पर उतर कर ग्रामीणों ने किया जल संकट के खिलाफ प्रदर्शन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बलियापुर प्रखंड क्षेत्र में पिछले डेढ़ महीने से जलापूर्ति ठप रहने के कारण करीब 50 हजार की आबादी पेयजल संकट से जूझ रही है। फेज-2 की मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के बाद 12 पंचायतों के 27 गांवों में पानी की आपूर्ति बंद है। इससे मुकुंदा, आमटाल, चांदकुईयां, अलकडीहा, कुसमाटांड़, सुरूंगा, परसबनिया, पलानी और आमझर सहित कई गांवों के ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जलापूर्ति बाधित होने के कारण ग्रामीणों को दूर-दराज के चापाकलों और कुओं से पानी लाना पड़ रहा है। कई परिवार पानी खरीदकर या आरओ प्लांट से पानी लेकर अपनी जरूरत पूरी कर रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी महिलाओं और बच्चों को हो रही है।

समस्या का समाधान नहीं होने से नाराज मुखिया और बड़ी संख्या में ग्रामीण शुक्रवार को कुसमाटांड़ दुर्गा मंदिर के समीप सड़क पर उतर आए। ग्रामीणों ने सड़क जाम कर धरना-प्रदर्शन किया और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा जिला प्रशासन से जल्द पाइपलाइन की मरम्मत कर जलापूर्ति बहाल करने की मांग की।

मौके पर मुखियाओं ने कहा कि जलापूर्ति जैसी जरूरी सेवा डेढ़ महीने से बाधित है। अधिकारियों को कई बार इसकी जानकारी देने और जल्द समाधान का आश्वासन मिलने के बावजूद अब तक पाइपलाइन की मरम्मत नहीं हुई है।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जल्द जलापूर्ति बहाल नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरना और सड़क जाम के कारण वाहनों का आवागमन भी प्रभावित रहा। प्रदर्शनकारियों ने स्कूल वाहनों को जाने दिया, जबकि अन्य वाहनों को रोक दिया गया। समाचार लिखे जाने तक कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा था। ग्रामीण अब प्रशासन की कार्रवाई और जलापूर्ति बहाल होने का इंतजार कर रहे हैं।

एसईजी सिम्पोजियम में आईआईटी के प्रो. सौरभ दत्ता गुप्ता ने दिया व्याख्यान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः आईआईटी धनबाद के एप्लाइड जियोफिजिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर सौरभ दत्ता गुप्ता ने बेंगलुरु में आयोजित सोसाइटी ऑफ एक्सप्लोरेशन जियोफिजिसिस्ट्स (एसईजी) के तीन दिवसीय इंटरनेशनल सिम्पोजियम में हिस्सा लिया। ह्लट्रांसफॉर्मिंग एनर्जी एक्सप्लोरेशनः टेक्नोलॉजी, सस्टेनेबिलिटी एंड इनोवेशनह्व थीम पर आयोजित यह सिम्पोजियम 23 से 25 सितंबर 2026 तक बेंगलुरु में हुआ। सिम्पोजियम में एनर्जी एक्सप्लोरेशन, नई टेक्नोलॉजी, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, सस्टेनेबल और लो-कार्बन एनर्जी सॉल्यूशंस के साथ क्रिटिकल मिनरल्स की एक्सप्लोरेशन जैसे विषयों पर एक्सपर्ट्स ने विचार साझा किए। इसमें भारत और विदेश के जियोसाइंटिस्ट, रिसर्चर, इंडस्ट्री एक्सपर्ट और पॉलिसी मेकर्स शामिल हुए। प्रो. सौरभ दत्ता गुप्ता ने सिम्पोजियम में ह्लअनसर्टेनिटी एंड रिस्कह्व विषय पर आयोजित टेक्निकल सेशन की चेयरिंग की। इस सेशन की को-चेयरिंग उन्होंने अडानी वेलस्पन के सुब्रत बनर्जी के साथ की। इसके अलावा प्रो. दत्ता गुप्ता ने ह्लकॉन्सेप्ट-ड्रिवन एनालिसिस टुवर्ड्स द एस्टैब्लिशमेंट ऑफ पोटेंशियलिटी फॉर नेचुरल हाइड्रोजन इन द राजमहल ट्रैप ऑफ ईस्टर्न इंडियाह्व विषय पर अपना टेक्निकल टॉक दिया। इसमें उन्होंने पूर्वी भारत के राजमहल ट्रैप में नेचुरल हाइड्रोजन की संभावनाओं के आकलन के लिए कॉन्सेप्ट-ड्रिवन एनालिसिस के इस्तेमाल पर चर्चा की। नेचुरल हाइड्रोजन वर्तमान में क्लीन और लो-कार्बन एनर्जी के एक उभरते विकल्प के रूप में दुनिया भर में रिसर्च का महत्वपूर्ण विषय बना हुआ है। आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में भी नेचुरल हाइड्रोजन की एक्सप्लोरेशन से जुड़े रिसर्च पर काम हो रहा है। संस्थान ने इस दिशा में जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जीएसआई) के साथ भी सहयोग की पहल की है।

भीम ऐप पर एआई सहायक माययूपीआई शुरू, भुगतान से लेकर सुरक्षा तक कई सुविधाएं एक जगह

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः एनपीसीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड ने भीम पेमेंट्स ऐप पर संवादात्मक एआई-संचालित सहायक ह्यमाययूपीआईह्ल शुरू किया है। यह उपयोगकताओं को लेन-देन देखने, शिकायत दर्ज कर उसका स्टेटस ट्रैक करने, यूपीआई ऑटोपे मैंडेट प्रबंधित करने, भुगतान से पहले प्राप्तकर्ता का नाम सत्यापित करने और धोखाधड़ी से बचाव संबंधी सहायता जैसी सुविधाएं एक ही जगह उपलब्ध कराता है। माययूपीआई फिलहाल अंग्रेजी, हिंदी, तेलुगु, तमिल और बंगाली में 24 घंटे सहायता देता है तथा आगे और क्षेत्रीय भाषाओं को जोड़ने की योजना है। उपयोगकर्ता ऑटोपे मैंडेट को रोक, दोबारा शुरू या रद्द कर सकते हैं और जरूरत पड़ने पर लिंक किए गए बैंक खाते को ब्लॉक कर आगे के लेन-देन रोक सकते हैं। पहले किए गए पात्र यूपीआई भुगतानों को दोबारा शुरू करने और मोबाइल नंबर से जुड़े यूपीआई नंबर को अलग करने की सुविधा भी इसमें दी गई है। एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड की प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललिथा नटराज ने कहा कि माययूपीआई उपयोगकताओं को जानकारी हासिल करने, समस्याओं का समाधान करने और आवश्यक कार्रवाई के लिए सरल, संवादात्मक तथा बहुभाषी सहायता उपलब्ध कराता है। माययूपीआई में संदिग्ध संदेशों और आम यूपीआई धोखाधड़ी के तरीकों से बचाव की जानकारी भी मिलती है। भुगतान से जुड़ी कार्रवाइयों के लिए उपयोगकर्ता का यूपीआई पिन के माध्यम से प्रमाणीकरण जरूरी रहेगा।

एनजीटी नियमों की जांच करने पहुंची टीम के सामने हंगामा, जिप उपाध्यक्ष को धमकाने का आरोप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः तोपचांची प्रखंड के कालाझार में पत्थर क्रशर और खदान से जुड़ी शिकायत की जांच करने पहुंची प्रशासनिक टीम के सामने शुक्रवार को हंगामा हो गया। जिला परिषद उपाध्यक्ष सरिता देवी ने क्रशर संचालक और उसके सहयोगियों पर उन्हें और गिरिडीह सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी को डराने-धमकाने का आरोप लगाया है। हंगामे के बाद जांच की कार्रवाई बाधित हो गई और जिला परिषद उपाध्यक्ष को मौके से लौटना पड़ा।

मामला कतरी नदी पर कथित अवैध पुल निर्माण और पत्थर खदान में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के नियमों के उल्लंघन से जुड़ा है। इस संबंध में जिला परिषद उपाध्यक्ष सरिता देवी ने लिखित शिकायत की थी। शिकायत के बाद मामले की जांच के लिए प्रशासन की ओर से कमिटी गठित की गई थी।

शुक्रवार को जांच कमिटी मौके पर पहुंची। कमिटी में जिला खनन पदाधिकारी (डीएमओ) राकेश तिग्गा, तोपचांची अंचलाधिकारी (सीओ) नूपुर कुमारी सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। शिकायतकर्ता होने के साथ जिला परिषद उपाध्यक्ष सरिता देवी भी कमिटी की सदस्य के रूप में मौके पर मौजूद थीं।

आरोप है कि टीम के मौके पर पहुंचते ही क्रशर संचालक और उसके कुछ सहयोगियों ने जिला परिषद उपाध्यक्ष सरिता देवी और सांसद प्रतिनिधि सुभाष रवानी से बहस शुरू कर दी और उन्हें डराने-धमकाने का प्रयास किया। इसके बाद मौके पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई और जांच की कार्रवाई प्रभावित हुई।

शिकायत में कतरी नदी पर कथित तौर पर ओबी पत्थर और सीमेंट पाइप डालकर पुल बनाए जाने और पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता पक्ष का कहना है कि कतरी नदी क्षेत्र की बड़ी आबादी के लिए महत्वपूर्ण है और इसका पर्यावरणीय महत्व भी है।

डालसा धनबाद द्वारा 60 दिवसीय नालसा मेगा ड्राइव के तहत मेला - प्रदर्शनी , नुक्कड़ - नाटक के माध्यम से जागरूकता शिविर का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः नालसा एवं झालसा के तत्वाधान मे प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण धनबाद निकेश कुमार सिन्हा के आदेश पर पूर्वी टुंडी के मैरनवाटांड पंचायत भवन में डालसा धनबाद द्वारा 60 दिवसीय नालसा मेगा ड्राइव फेज - 1 के तहत मेला - प्रदर्शनी , नुक्कड़ - नाटक के माध्यम से जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

इसकी जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि पूर्वी टुंडी प्रखंड के मैरानवाटाड पंचायत भवन में नालसा मेगा ड्राइव अवेयरनेस कैंपेन के तहत 60 दिनों में पंचायत के सभी 6 गांव को सरकारी योजनाओं से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है

जिसमें शुक्रवार को चौथे दिन मैरानवाटाड पंचायत भवन में डालसा के माध्यम से घरेलू हिंसा, बाल विवाह तथा नशा के खिलाफ(नशा को ना) नुक्कड़ नाटक और जागरूकता गीत का भी प्रस्तुत किया तथा 60ि८'२ डोर टू डोर कैंपिंग में चिन्हित किए गए लाभुकों के बीच जन्म प्रमाण पत्र 10, कृषि से डउउ 07 सेंशन लेटर (5लाख रु)का, खरछढर से दीदियों को 17 लाख का चेक, दिव्यांगो को 2 व्हीलचेयर 2 कान के मशीन, शिक्षा विभाग से 20 साइकिल का वितरण, तथा जिला समाज कल्याण से आंगनबाड़ी सेविका के द्वारा दो - दो लाभुकों को गोद - भराई का रश्म तथा पोषण आहार सामग्रियों का वितरण , शिविर के माध्यम से परिसम्पत्तियों का वितरण किया गया । इस दौरान डालसा सचिव श्री मयंक तुषार टोपनो, एलएड-ीसीएस के डिप्टी चीफ श्री अजय कुमार भट्ट मुख्य रूप से उपस्थित रहे , तथा ,पंचायत के मुखिया खोमा मोदक ,पंचायत सचिव आशा सोरेन, इफ्छ धन्यज मंडल, महिला प्रवेशिका अनीता कुमारी,किरण कुमारी,लीला रवानी, पंचायत समिति शिव शंकर मुर्मू, ओमप्रकाश शर्मा,,प्रखंड के ढछश ओमप्रकाश दास, पूजा झा-२'स्त्र२ से शर्मिला सोरेन, रमेश किस्कु, डालसा द्वारा प्रस्तुत किये गए कलाकार , प्रिया कुमारी,नाजिम खान, अजहरुद्दीन, अधिकार मित्र. प्रदीप गोराई, बिक्रम मोदी, रिबोती मरांडी के द्वारा शिविर में ग्रामीण जनता को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया एवं सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित 30 आवेदन , फार्म लिया गया ।

जमीन के बदले रोजगार व मुआवजे पर एसी ने सुना रैयतों व बीसीसीएल का पक्ष

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः जमीन के बदले मुआवजा व नियोजन के लिए जन- आवेदनों पर जिला प्रशासन द्वारा गंभीरता एवं प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जा रही है। जन- आवेदनों को आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला भूमि प्रकोष्ठ को हस्तांतरित किया गया था। इस क्रम में संबंधित मामलों की सुनवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में शुक्रवार को अपर समाहर्ता-सह-अध्यक्ष, डिस्ट्रिक्ट लैंड सेल, प्रदीप कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में अपर समाहर्ता के कार्यालय कक्ष में रैयतों तथा संबंधित एजेंसियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में विभिन्न मामलों की सुनवाई की गई। इस दौरान रैयतों द्वारा प्रस्तुत मामलों को विस्तारपूर्वक सुना गया तथा संबंधित अभिलेखों एवं तथ्यों पर विचार किया गया। सुनवाई के दौरान भारत कोकिंग कोल लिमिटेड एवं ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने पक्ष एवं संबंधित अभिलेख प्रस्तुत किए। अपर समाहर्ता ने दोनों पक्षों की दलीलों को गंभीरतापूर्वक सुनने के उपरांत संबंधित अधिकारियों को आवश्यक एवं समुचित दिशा निर्देश जारी किए। उल्लेखनीय है कि सुनवाई के दौरान सामने आए अधिकांश मामले भूमि के बदले नियोजन (रोजगार) एवं मुआवजा से संबंधित थे। अपर समाहर्ता-सह-अध्यक्ष, डिस्ट्रिक्ट लैंड सेल ने संबंधित मामलों के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नियमानुसार समाधान सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि लंबित मामलों का निष्पक्ष एवं शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सुनवाई के दौरान कई मामले स्वत्व से संबंधित भी पाए गए। इसके अतिरिक्त बीसीसीएल के ईस्टर्न झरिया एरिया, कुसुंडा, पुटकी-बलिहारी, लोदना एवं बस्ताकोला क्षेत्र तथा ईसीएल के मुगमा क्षेत्र से संबंधित रैयतों एवं प्रबंधन के बीच चल रहे मुआवजा एवं नियोजन से जुड़े मामलों को भी विस्तार से सुना गया।

संक्षिप्त खबरें

रांची में जन-शिकायत समाधान कार्यक्रम, 72 आवेदनों का मौके पर निष्पादन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, :राजधानी रांची के विभिन्न थाना और ओपी में शुक्रवार को जन-शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने थानों में पहुंचकर आम लोगों की शिकायतें सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया।

वरीय पुलिस अधीक्षक रांची कोतवाली थाना पहुंचे, जबकि पुलिस अधीक्षक नगर ने बरियातू थाना, पुलिस अधीक्षक यातायात ने धुर्वा थाना और पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने ओरमांझी थाना में लोगों से मुलाकात की। इसके अलावा जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षक और थाना-ओपी प्रभारी अपने-अपने निर्धारित स्थानों पर मौजूद रहे।जानकारी के अनुसार, जन-शिकायत समाधान कार्यक्रम के दौरान विभिन्न थानों में कुल 103 आवेदन और मामले प्राप्त हुए। इनमें से 72 मामलों का त्वरित कार्रवाई करते हुए उसी दिन निष्पादन कर दिया गया। सबसे अधिक 9 मामले कोतवाली थाना में प्राप्त हुए। कार्यक्रम के दौरान कुछ संवेदनशील शिकायतें भी पुलिस के सामने आईं. वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ऐसे मामलों में तत्काल कार्रवाई करते हुए कुल 6 प्राथमिकी दर्ज की गई और उनके अनुसंधान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। वहीं, अन्य शिकायतों की भी जांच की जा रही है।इसी दौरान सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से रांची पुलिस ने गुम हुए 53 मोबाइल फोन बरामद किए। बरामद मोबाइल उनके संबंधित धारकों को वापस सौंपे गए।

सीआरटी-वी परीक्षा को लेकर बरियातू में निषेधाज्ञा, 200 मीटर दायरे में पाबंदी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली की ओर से आयोजित कम्बाइंड रिक्रूटमेंट टेस्ट (सीआरटी-वी) परीक्षा 2026 को लेकर रांची के बरियातू स्थित राजकीय बालिका प्लस-2 उच्च विद्यालय परीक्षा केंद्र के आसपास निषेधाज्ञा लागू की गई है।

परीक्षा का आयोजन 27 सितंबर 2026 को किया जाएगा।जिला प्रशासन की ओर से शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि कदाचारमुक्त परीक्षा संचालन और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए परीक्षा केंद्र की 200 मीटर की परिधि में यह निषेधाज्ञा लागू रहेगी।

प्रशासन के अनुसार यह निषेधाज्ञा 27 सितंबर 2026 की सुबह आठ बजे से दोपहर तीन बजे तक प्रभावी रहेगी। परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। प्रशासन ने परीक्षा के दौरान शांति और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए निर्धारित प्रतिबंधों का पालन करने की अपील की है।

प्रशासन को आशंका है कि असामाजिक तत्व भीड़ जुटाकर परीक्षा के दौरान विधि-व्यवस्था प्रभावित करने का प्रयास कर सकते हैं।

निषेधाज्ञा के तहत पांच या पांच से अधिक लोगों के एक स्थान पर जमा होने पर रोक रहेगी। हालांकि सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारी-कर्मचारी, सरकारी कार्यक्रम और शवयात्रा को इससे छूट दी गई है। इसके अलावा ध्वनि विस्तारक यंत्र के इस्तेमाल, बैठक या आमसभा आयोजित करने और अस्त्र-शस्त्र एवं हरवे-हथियार लेकर चलने पर भी प्रतिबंध रहेगा।

एसबीयू में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती मनाई गई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) में शुक्रवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन और विचारों से सीख लेने का आह्वान किया।प्रो. पाठक ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की ईमानदारी और सादगी प्रेरणादायक है। उनकी जीवनी स्वयं में एक दर्शन है। उन्होंने हमेशा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया। अंत्योदय और एकात्म मानववाद का उनका सिद्धांत आज के संदर्भ में भी व्यावहारिक है।कुलपति प्रो. सी. जगनाथन ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के संघर्षशील व्यक्तित्व और समाज एवं देश के प्रति उनके समर्पण को अविस्मरणीय बताया। उन्होंने अंत्योदय की अवधारणा पर विचार रखते हुए कहा कि इससे सेवा की भावना का विकास होता है।कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. श्रीधर दंडीन, प्रो. वीके सिंह और अमित चरण ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जीवनी और उनके विचारों पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।इस अवसर पर एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान और राज्यसभा सांसद सह निदेशक, योजना और विकास (प्लानिंग एंड डेवलपमेंट) डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने भी पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी, विद्यार्थी और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

पारा शिक्षकों को हाई कोर्ट से राहत, बर्खास्तगी का आदेश रद्द

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची,: झारखंड उच्च न्यायालय ने शैक्षणिक प्रमाण पत्र सही नहीं होने के आधार पर पूर्वी सिंहभूम के पारा शिक्षकों को नौकरी से हटाने के आदेश को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने प्रार्थियों को अप्रैल 2025 से बकाया मानदेय का भुगतान करने का भी निर्देश दिया है।मामले में मेरी मुर्मू एवं अन्य की ओर से उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की गई थी। याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अपना आदेश सुरक्षित रखा था। प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता राजेश कुमार ने पक्ष रखा।दरअसल, इलाहाबाद और देवघर के कुछ गैर-मान्यता प्राप्त संस्थानों से मैट्रिक और इंटरमीडिएट के प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले पारा शिक्षकों की शैक्षणिक अर्हता को लेकर मामला सामने आया था।

वाहन चेकिंग के दौरान चोरी के आभूषण बरामद, एक आरोपित गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, :रांची के टाटीसिलवे थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने चोरी के सोने-चांदी के आभूषण के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान बोकारो जिले के गोमिया थाना क्षेत्र के जारंगडीह निवासी 22 वर्षीय हरिशंकर पासी उर्फ हरिशंकर के रूप में हुई है।

थाना प्रभारी हंसे उरांव ने बताया कि 24 सितंबर की देर रात वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर रांची-पुरुलिया मेन रोड पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। रांची की ओर से एक स्कूटी पर दो युवक आते दिखाई दिए। संदिग्ध लगने पर पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखते ही स्कूटी चालक स्कूटी मोड़कर भागने लगा। पुलिस टीम ने पीछा कर स्कूटी चालक को पकड़ लिया, जबकि पीछे बैठा दूसरा युवक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पकड़े गए युवक से स्कूटी के कागजात मांगे गए, लेकिन वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। तलाशी लेने पर जेब से सोने-चांदी के आभूषण बरामद हुए।

पुलिस की पूछताछ में आरोपित ने कथित तौर पर बताया कि 22 सितंबर की रात रिंग रोड किनारे गोदलीपोखर और टाटीसिलवे क्षेत्र में पेट्रोल पंप के पीछे स्थित बंद घरों का ताला तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण चोरी किए गए थे।

पुलिस के मुताबिक, आरोपित और उसके साथी घूम-घूमकर चाकू, छुरी आदि में धार लगाने का काम करते थे। इसी दौरान वे बंद घरों की रेकी करते थे और रात में मौका देखकर ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम देते थे।

पुलिस ने आरोपित को विधिवत गिरफ्तार कर लिया है और फरार दूसरे व्यक्ति की तलाश की जा रही है। पुलिस ने छापेमारी में आरोपी के पास से सोने का टोप 1 जोड़ा, सोने की बाली 1 जोड़ा, चांदी का चाबी रिंग, 1 पीस, चांदी की चेन 3 पीस, दूल्हन पायल 1 जोड़ा, चांदी की बाली 1 जोड़ा, छोटे बच्चे की चांदी की पायल 1 जोड़ा, चांदी की मोती माला 1 पीस, चांदी की चेन 2 पीस, और स्कूटी को जब्त किया गया।इस मामले में टाटीसिलवे थाना में मामला दर्ज कर पुलिस आगे की जांच कर रही है।

श्रमायुक्त से वार्ता के बाद नगर निकाय मजदूरों का प्रदर्शन स्थगित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, :झारखंड नगर निकाय मजदूर यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को श्रमायुक्त से मुलाकात कर नगर निकाय मजदूरों की विभिन्न मांगों पर विस्तार से वार्ता की।

एक्साइज बिल्डिंग स्थित श्रमायुक्त के चेंबर में हुई इस वार्ता में उप श्रमायुक्त अविनाश कृष्ण और सहायक श्रमायुक्त वाल्टर कुजूर शामिल रहे। वार्ता के बाद श्रम कार्यालय के बाहर आयोजित सभा में महामंत्री प्रकाश टोप्पो ने श्रमायुक्त से हुई वार्ता की जानकारी देते हुए बताया कि श्रम कार्यालय की ओर से जिस तरह आश्वासन मिला इसके बाद मजदूरों का श्रम कार्यालय घेराव-प्रदर्शन को स्थगित कर दिया गया है। लेकिन मजदूरों के बोनस और स्थायीकरण की मांग तेज होगी।

सभा में 13 हजार रुपये की जगह 18 हजार रुपये से कम नहीं और दुगार्पूजा से पहले बोनस और एटूजेड का बकाया भुगतान सहित सात सूत्री मांगों को लेकर नारेबाजी की गई।मौके पर अध्यक्ष भवन सिंह ने कहा कि दुगार्पूजा से पहले बोनस पर निर्णय नहीं हुआ तो पूजा के बीच हड़ताल की जाएगी। उन्होंने कहा बोनस नहीं मिलेगा तो हड़ताल होगा।

उन्होंने बताया कि श्रमायुक्त ने मजदूरों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए उच्चस्तरीय वार्ता कराने और छुट्टी संबंधी कानूनों को लागू कराने का आश्वासन दिया है। वार्षिक अवकाश, राष्ट्रीय उत्सव एवं त्योहार अवकाश, आकस्मिक अवकाश और मातृत्व अवकाश लागू कराने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने की बात कही गई है। गैरकानूनी तरीके से हटाए गए मजदूरों, बोनस भुगतान और पूर्व समझौते के अनुपालन के मामले में नगर निगम प्रशासक को कार्रवाई का निर्देश देने की बात भी कही गई है।

सभा में माकपा के पार्टी सचिव प्रकाश विप्लव ने स्थायीकरण के लिए संघर्ष तेज करने का आह्वान किया।

उपायुक्त ने जल स्वच्छता समिति की बैठक में योजनाओं की गुणवत्ता पर दिया जोर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक में जल जीवन मिशन (जीजेएम) और स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत जिले में संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।उपायुक्त ने चालू वित्तीय वर्ष में व्यक्तिगत घरेलू शौचालय निर्माण के लक्ष्य और प्रखंडवार प्रगति की जानकारी ली। पात्र लाभुकों के चयन में तेजी लाने और ऑनलाइन माध्यम का प्रभावी उपयोग करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने जल जीवन मिशन के तहत पूर्वी और पश्चिमी प्रमंडलों में संचालित मल्टी विलेज स्कीम और सिंगल विलेज स्कीम की प्रगति की जानकारी ली। साथ ही लंबित कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने सहायक और कनीय अभियंताओं को निर्देश दिया कि योजनाओं की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाए। उन्होंने नियमित स्थल निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की निगरानी करने एवं योजनाओं से संबंधित दस्तावेजों को अद्यतन रखने तथा योजनाओं का भौतिक सत्यापन भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक में उप विकास आयुक्त संजय भगत, जिला शिक्षा पदाधिकारी बादल राज सहित संबंधित पदाधिकारी।अभियंता मौजूद थे।

शशांक राज ने संभाला झारखंड भाजयुमो अध्यक्ष का पदभार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, :झारखंड भाजपा युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह में विधिवत पदभार ग्रहण किया।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, प्रदेश पदाधिकारियों एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मौके पर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शशांक राज को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में शशांक राज ने युवा मोर्चा को लेकर सक्रियता के साथ कार्य किया और विभिन्न विषयों पर आंदोलनों में भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि पूरा विश्वास है कि शशांक राज को जो जिम्मेदारी दी गई है, उसके अनुरूप युवा मोर्चा आने वाले समय में झारखंड के युवाओं की मजबूत आवाज बनेगा।

वहीं मरांडी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार के कार्यों को लेकर विपक्ष द्वारा लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। कांग्रेस को लेकर उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पार्टी की राजनीतिक स्थिति और अधिक कमजोर होगी।

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने शशांक राज को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवा मोर्चा भाजपा का महत्वपूर्ण अग्रिम संगठन है। युवाओं की ऊर्जा और उत्साह को संगठनात्मक गतिविधियों में लगाकर पार्टी को और मजबूत किया जाएगा।

समारोह में भाजयुमो के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज ने इस जिम्मेवारी के लिए राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उन तमाम कार्यकताओं की है, जिन्होंने तन-मन-धन से संगठन को मजबूत करने के लिए निरंतर परिश्रम किया है।

उन्होंने कहा कि युवा शक्ति को संगठन से जोड़ना, युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाना और पार्टी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। झारखंड के युवाओं के मुद्दों को लेकर संगठन मजबूती से आवाज उठाएगा। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में युवा मोर्चा को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आज जो कार्यकर्ता मंच के सामने बैठे हैं, आने वाले समय में इन्हीं में से विधायक, मंत्री और पार्टी के विभिन्न दायित्वों पर कार्य करने वाले नेता तैयार होंगे। युवा मोर्चा सामाजिक एवं राजनीतिक जिम्मेदारियों से पीछे हटने वाला संगठन नहीं है।

तेज आंधी-बारिश में रांची के 24 स्थानों से हटाए गए गिरे पेड़

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राजधानी रांची सहित राज्यभर में तेज आंधी-तूफान और बारिश के बीच हवाओं के कारण नगर निगम क्षेत्र में पेड़ और उनकी डालियां गिरने की सूचना पर रांची नगर निगम की बागवानी और स्वच्छता शाखा की टीमों ने त्वरित कार्रवाई की। नागरिकों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए निगम की टीमों ने शुक्रवार को 24 प्रभावित स्थलों पर पहुंचकर गिरे पेड़ों और डालियों को हटाया तथा मार्गों को सुचारू कराया।

नगर निगम की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एजी मोड़ डोरंडा, हवाई नगर रोड बिरसा चौक, सेंट्रल स्कूल रोड डोरंडा, हरमू बाईपास-सैटेलाइट चौक, ऑड्रे हाउस, कांके रोड, इरगु टोला, पहाड़ी मंदिर लेन, धुर्वा के सेक्टर-3 और सेक्टर-4, चिरौंजी, बरियातू हिल व्यू हॉस्पिटल, डीएवी नंदराज, पटेल चौक हरमू, भूतनाथ मंदिर, मिशन चौक, थरपकना चौक, जेल चौक, संत फ्रांसिस स्कूल, सदर थाना, हटिया कब्रिस्तान, एदलहातू, पल्लवी कॉन्वेंट, डोरंडा साउथ ऑफिस पाड़ा और भाभा नगर कोकर सहित 24 स्थलों से गिरे पेड़ों और डालियों को हटाया गया।जहां पेड़ झुक गए थे, वहां आवश्यकतानुसार छंटाई कर मार्गों को सुरक्षित बनाया गया। निगम की टीमों ने प्रभावित स्थानों पर तत्काल पहुंचकर यातायात व्यवस्था बहाल करने के साथ नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी। रांची नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि बारिश और तेज हवा के दौरान पेड़ों एवं बिजली के खंभों के नीचे खड़े होने से बचें। अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें और गिरे हुए बिजली के तारों से दूरी बनाए रखें। निगम ने पेड़, डालियां गिरने या किसी पेड़ के झुकने की स्थिति में इसकी सूचना तत्काल नगर निगम को देने की अपील की है।

एचईसी कर्मियों को जल्द क्वार्टर आवंटित करे प्रबंधन : श्रमिक संघ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची,: एचईसी श्रमिक संघ ने प्रबंधन से कर्मचारियों को जल्द क्वार्टर आवंटित करने की मांग की है। संघ के अध्यक्ष शनि सिंह ने शुक्रवार को कहा कि क्वार्टर आवंटन के लिए जल्द काउंसलिंग कराई जाए और सेक्टर-3 में खाली पड़े बी टाइप क्वार्टर भी कर्मचारियों को आवंटित किए जाएं।

शनि सिंह ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि कर्मचारियों को क्वार्टर आवंटित करने के लिए पिछले तीन वर्षों से काउंसलिंग नहीं हुई है। इससे जरूरतमंद कर्मचारियों को आवास की सुविधा नहीं मिल पा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर प्रबंधन कर्मचारियों को क्वार्टर आवंटित नहीं कर रहा है, वहीं दूसरी ओर एचईसी छोड़कर जा चुके कई कर्मचारी क्वार्टर अपने पास रखकर किराये पर लगा रहे हैं। उनके अनुसार, ऐसे क्वार्टरों से आठ से 10 हजार रुपये तक मासिक किराया वसूला जा रहा है। शनि सिंह ने मांग की कि एचईसी छोड़कर जाने वाले जिन कर्मचारियों ने अब तक क्वार्टर जमा नहीं किया है, उनसे बाजार दर के अनुसार संशोधित किराया वसूला जाए। उनके अनुसार, वर्तमान में बी टाइप क्वार्टर का किराया 3,500 रुपये और सीडी क्वार्टर का किराया 5,000 रुपये है।

रांची में एआइओएस की मिड-टर्म कॉन्फ्रेंस शुरू, जुटे 1500 नेत्र रोग विशेषज्ञ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : राजधानी रांची में शुक्रवार को ऑल इंडिया ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी (एआइओएस) की 5वीं मिड-टर्म कॉन्फ्रेंस 2026 का भव्य शुभारंभ शुक्रवार रात हुआ। होटल बीएनआर में आयोजित इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से करीब 1500 नेत्र चिकित्सक एवं विशेषज्ञ शामिल हुए। झारखंड में पहली बार आयोजित यह सम्मेलन नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में नवीनतम तकनीक, अत्याधुनिक उपचार पद्धतियों और शोध के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण मंच बना।सम्मेलन का उद्घाटन झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह, आयोजन समिति के चेयरमैन डॉ. बीपी कश्यप एवं आयोजन सचिव डॉ. भारती कश्यप ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर एआइओएस के अध्यक्ष डॉ. जीवन तितियाल, निर्वाचित अध्यक्ष डॉ. मोहन राजन, राष्ट्रीय महासचिव संतोष होनावर सहित देशभर से आए कई वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ एवं चिकित्सक उपस्थित रहे।

अत्याधुनिक तकनीक से जुड़ेगा झारखंड का स्वास्थ्य क्षेत्र : डॉ. इरफान अंसारी

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि रांची में देशभर के प्रमुख नेत्र विशेषज्ञों का एक मंच पर जुटना झारखंड के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों से राज्य के चिकित्सकों और युवा मेडिकल प्रोफेशनल्स को नवीनतम शोध, तकनीक और उपचार पद्धतियों से सीधे जुड़ने का अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक सर्जरी और आधुनिक हेल्थ टेक्नोलॉजी जैसी उभरती तकनीकों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सम्मेलन से निकलने वाले वैज्ञानिक विचार और अनुभव राज्य की नेत्र चिकित्सा सेवाओं को और मजबूत करने में उपयोगी साबित होंगे।

युवा चिकित्सकों को राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराना उद्देश्य : डॉ. भारती कश्यप

आयोजन सचिव डॉ. भारती कश्यप ने कहा कि सम्मेलन का एक प्रमुख उद्देश्य झारखंड की युवा चिकित्सकीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा, शोध और अनुभव साझा करने का अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि रांची में देशभर के विशेषज्ञों का आगमन राज्य के चिकित्सा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

उन्होंने बताया कि सम्मेलन के दौरान रिफ्रैक्टिव सर्जरी, मोतियाबिंद, कॉर्निया, डायबिटिक रेटिनोपैथी और ग्लूकोमा सहित नेत्र चिकित्सा के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत चर्चा की गई। अत्याधुनिक उपचार तकनीकों और नवीनतम वैज्ञानिक शोध पर केंद्रित विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए गए।

लाइव सर्जरी और वैज्ञानिक सत्र रहे आकर्षण का केंद्र

सम्मेलन में लाइव सर्जरी, वैज्ञानिक प्रस्तुतियां, साइंटिफिक प्रतियोगिताएं और युवा चिकित्सकों के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से चिकित्सकों को जटिल मामलों के आधुनिक उपचार, नवीन सर्जिकल तकनीकों और बदलती चिकित्सा पद्धतियों को करीब से समझने का अवसर मिला।

उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं चिकित्सकीय योगदान के लिए विभिन्न विशेषज्ञों को साइंटिफिक अवॉर्ड से सम्मानित भी किया गया।

एआइओएस की 5वीं मिड-टर्म कॉन्फ्रेंस ने रांची को देश के प्रमुख नेत्र चिकित्सा विशेषज्ञों के एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक संवाद केंद्र के रूप में स्थापित किया है। सम्मेलन में हुए विचार-विमर्श और ज्ञान के आदान-प्रदान से झारखंड सहित देशभर में बेहतर एवं आधुनिक नेत्र चिकित्सा सेवाओं को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

गयाजी में शुक्रवार से पितृपक्ष मेला शुरू, सीएम सम्राट चौधरी ने किया महासंगम का उद्घाटन

विष्णुपद मंदिर में पूजा- अर्चना के बाद सीएम ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

गया जी(एजेंसी) : मोक्षनगरी गयाजी में गुरुवार को पितृपक्ष मेला महासंगम की शुरूआत हो गई। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पितृपक्ष मेले का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्ध बिहार की कल्पना की है और सरकार उसी दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि करीब 2500 करोड़ रुपये की लागत से विष्णुपद कॉरिडोर का निर्माण कराया जा रहा है। केंद्र सरकार भी इसमें सहयोग करेगी। करीब 1000 करोड़ रुपये की लागत से औरंगाबाद होते हुए बोधगया के आगे फल्गू नदी के पानी को पहुंचाने की योजना पर भी काम किया जाएगा।उद्घाटन से पहले मुख्यमंत्री ने विष्णुपद मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और गर्भगृह में भगवान विष्णु के चरणचिह्न के दर्शन किए। इसके बाद फल्गू नदी स्थित देवघाट का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया और प्रशासनिक अधिकारियों से मेले की तैयारियों की जानकारी ली। इस दौरान कृषि मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री समेत कई मंत्री, विधायक व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

गांधी मैदान टेंट सिटी का भी लिया जायजा

मेले के शुभारंभ के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी गांधी मैदान स्थित टेंट सिटी पहुंचे। यहां उन्होंने श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। 2500 बेड की टेंट सिटी तैयार की गई है। श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए 150 मुफ्त ई-रिक्शा चलाए जाएंगे। मेला क्षेत्र में सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं।

17 दिनों तक चलेगा पितृपक्ष मेला पितृपक्ष मेला 25 सितंबर से 10 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पिंडदान और तर्पण के लिए गयाजी पहुंचेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इस बार ह्यपिंडदान गयाजीह्न मोबाइल एप और वेबसाइट शुरू की गई है। एप पर विभिन्न वेदियों, कर्मकांड, पंडा-पुरोहित, आवासन, यातायात और पार्किंग की जानकारी उपलब्ध रहेगी। स्वास्थ्य केंद्रों, सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन सहायता से जुड़ी जानकारी भी एप पर मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

पितृपक्ष मेला में तीर्थयात्रियों के लिए सेवारत भूमिका में रहेगा बोधगया मठ: महंत विवेकानंद

निशुल्क भोजन और आवासन की रहेगी व्यवस्था, सेवा दल श्रद्धालुओं की सहायता में रहेंगे तैनात

गया जी (एजेंसी) : पितृपक्ष मेला के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से गया जी आने वाले लाखों तीर्थयात्रियों की सेवा के लिए बोधगया मठ ने तैयारी शुरू कर दी है। बोधगया मठ में महंत सह धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य महंत विवेकानंद ने कहा कि मठ की ओर से पितृपक्ष के दौरान तीर्थयात्रियों के लिए सेवारत भाव से कार्य किया जाएगा। श्रद्धालुओं को निशुल्क भोजन और आवासन की सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी।उन्होंने कहा कि गया जी में अपने पितरों के मोक्ष और आत्मा की शांति के लिए देश के विभिन्न प्रदेशों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। पितृपक्ष के दौरान आने वाले तीर्थयात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो इसके लिए बोधगया मठ सेवा के लिए तैयार रहेगा। मठ में श्रद्धालुओं के ठहरने और भोजन की व्यवस्था की जाएगी।

आठवीं सदी में आदि शंकराचार्य ने की थी मठ की स्थापना

महंत विवेकानंद ने बताया कि बोधगया का यह प्राचीन मठ धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मठ की स्थापना आठवीं सदी में आदि शंकराचार्य ने की थी। मठ की परंपरा में श्रद्धालुओं की सेवा को विशेष महत्व दिया जाता रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए पितृपक्ष मेला में गया जी आने वाले तीर्थयात्रियों की सेवा की जाएगी।उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रियों की सहायता और मार्गदर्शन के लिए सेवा दल के सदस्य भी तैनात रहेंगे। ये सदस्य श्रद्धालुओं को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के साथ उनकी जरूरत के अनुसार सहयोग करेंगे। मठ प्रबंधन का प्रयास रहेगा कि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को धार्मिक अनुष्ठान के साथ-साथ मूलभूत सुविधाएं भी सहज रूप से मिल सकें। महंत ने कहा कि पितृपक्ष मेला श्रद्धा और आस्था का बड़ा पर्व है और इसमें सेवा करना मठ के लिए सौभाग्य की बात है।

गया-गोमो सेक्शन पर चले अभियान में एक मोबाइल चोर दबोचा गया तो दूसरा फरार

ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत गोमो आरपीएफ की कार्रवाई

गया जी(एजेंसी) : गया-गोमो रेलखंड पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर आरपीएफ की चौकसी बढ़ी रही। लगातार अभियान चलाया गया। इसी दौरान गोमो स्टेशन पर मोबाइल चोरी करने वाले एक शातिर चोर को दबोच लिया गया। उसके पास से चोरी का मोबाइल बरामद हुआ है। वहीं, उसका साथी मौके से फरार हो गया। कार्रवाई पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त अमरेश कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत हुई।

आरपीएफ सूत्रों ने बताया निरीक्षक प्रभारी विमल कुमार के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक सुरेंद्र नाथ बारीक, प्रधान आरक्षी जय प्रकाश चौधरी और आरक्षी सुनील कुमार यादव प्लेटफार्म संख्या एक और दो पर गश्त कर रहे थे। ट्रेन संख्या 13052 प्लेटफार्म संख्या दो पर पहुंची। ट्रेन के स्लीपर कोच से दो युवक संदिग्ध स्थिति में उतरकर सामान्य कोच की ओर जाने लगे।आरपीएफ जवानों ने दोनों को रुकने का इशारा किया तो वे भागने लगे। जवानों ने पीछा कर एक युवक को पकड़ लिया जबकि दूसरा अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। गिरफ्तार युवक की पहचान नसीम निवासी पंजनी नारायणपुर, थाना नारायणपुर, जिला जामताड़ा के रूप में हुई।तलाशी में जैकेट की जेब से मिला चोरी का मोबाइल, फोन आने पर हुई मालिक की पहचानतलाशी लेने पर नसीम के काले जैकेट की बायीं जेब से नारजो कंपनी का ग्रे रंग का मोबाइल बरामद हुआ। पूछताछ में उसने बताया कि उसने अपने साथी जमशेद के साथ ट्रेन संख्या 12815 के सामान्य कोच में सो रहे यात्री का मोबाइल चोरी किया था। गोमो स्टेशन पर उतरने के बाद दोनों दूसरी ट्रेन संख्या 13052 डाउन के सामान्य कोच में सवार होकर फिर चोरी करने की फिराक में थे।बरामद मोबाइल पर आए फोन से उसके मालिक की पहचान हुई। फोन करने वाले तुलसी प्रसाद ने बताया कि मोबाइल उनके पुत्र विशाल प्रसाद का है, जो काम के सिलसिले में ट्रेन संख्या 12815 से नई दिल्ली जा रहा था।

रेल महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने हाजीपुर स्टेशन का किया निरीक्षण

हाजीपुर(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग के द्वारा शुक्रवार को हाजीपुर स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण में महाप्रबंधक के द्वारा सकुर्लेटिंग एरिया, प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्म सं. 05 की ओर स्थित द्वितीय प्रवेश द्वार आदि का निरीक्षण कर यात्री सुविधा, संरक्षा आदि का जायजा लिया। महाप्रबंधक ने हाजीपुर स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्य की प्रगति की समीक्षा की तथा उच्च गुणवत्तायुक्त निर्माण कार्य एवं उन्नत यात्री सुविधा की उपलब्धता पर विशेष बल देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। विदित हो कि स्टेशन पुनर्विकास योजना के माध्यम से स्टेशनों को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। यात्री सुविधाओं के विस्तार, आधुनिक प्रतीक्षालय, बेहतर प्लेटफॉर्म सुविधाओं, सुगम आवागमन, स्वच्छता एवं आधारभूत संरचना के क्षेत्र से जुड़े विकास कार्य यात्रियों को नया अनुभव प्रदान करेगा।निरीक्षण के दौरान सोनपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अमित शरण सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे ।

अश्लील गानों और भ्रामक पोस्ट पर 2 केस दर्ज

मुजफ्फरपुर (एजेंसी) : जिले में अश्लील, द्विअर्थी भोजपुरी गानों के बजने और सोशल मीडिया पर भ्रामक व आपत्तिजनक पोस्ट शेयर करने वालों के खिलाफ पुलिस ने बड़े पैमाने पर कानूनी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।एस एस पी कांतेश कुमार मिश्रा के सख्त निर्देश पर पुलिस विभाग ने इस मामले में दो अलग-अलग कांड (त्र्क्षफ) दर्ज कर संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी है। इसके साथ ही पुलिस प्रशासन द्वारा ऐसे कृत्यों में शामिल लोगों को कड़ी चेतावनी भी दी गई है।

त्योहारी सीजन में पूर्व रेलवे सख्त: बिना टिकट यात्रियों से वसूला 1.77 लाख से अधिक का जुमार्ना

भागलपुर, (एजेंसी) : आगामी त्योहारी सीजन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ और संभावित आवाजाही को देखते हुए पूर्व रेलवे का मालदा मंडल पूरी तरह सतर्क हो गया है। यात्रियों की यात्रा को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के साथ-साथ रेलवे राजस्व की सुरक्षा के उद्देश्य से मंडल में टिकट जांच अभियान को काफी तेज कर दिया गया है।

इसी कड़ी में शुक्रवार को कहलगांव झ्र भागलपुर झ्र मंदार हिल रेलखंड तथा इस मार्ग पर चलने वाली विभिन्न ट्रेनों में एक विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया। मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान का नेतृत्व खुद वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्तिक सिंह ने किया।

इस सघन चेकिंग अभियान में वाणिज्य निरीक्षकों टिकट जांच कर्मचारियों और रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने सक्रिय रूप से मोर्चा संभाला। इस विशेष अभियान के दौरान ट्रेनों और स्टेशनों पर बिना टिकट यात्रा करने वाले कुल 220 यात्रियों को पकड़ा गया। रेलवे नियमों का उल्लंघन कर यात्रा करने वाले इन यात्रियों से जुमार्ने के रूप में 1,77,375 की राशि वसूल की गई।

रेलवे प्रशासन की इस अचानक हुई कार्रवाई से बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों में हड़कंप मचा रहा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री कार्तिक सिंह ने बताया कि इस प्रकार के विशेष अभियानों का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को उचित और वैध टिकट लेकर ही सफर करने के लिए प्रोत्साहित करना है। खासकर त्योहारों के समय बिना टिकट यात्रियों के कारण उचित टिकट धारी यात्रियों को परेशानी होती है।

मालदा मंडल ने सभी रेल यात्रियों से पुरजोर अपील की है कि वे हमेशा वैध टिकट के साथ ही यात्रा करें। रेलवे ने कहा कि एक सुरक्षित, अनुशासित और यात्री-अनुकूल माहौल बनाने के लिए यात्री कानून का पालन करें और रेल प्रशासन का सहयोग करें। आने वाले दिनों में मंडल के अन्य रेलखंडों में भी इस तरह के औचक अभियान जारी रहेंगे।

भागलपुर में 37वीं प्रांतीय एथलेटिक्स खेलकूद प्रतियोगिता मे 17 जिलों के 800 खिलाड़ी दिखाएंगे दम

भागलपुर, (एजेंसी) : भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति (बिहार) के तत्वावधान में आयोजित होने वाली 37वीं प्रांतीय एथलेटिक्स खेलकूद प्रतियोगिता की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को सैनिक स्कूल गणपत राय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर, नरगाकोठी, चंपानगर, भागलपुर के प्रांगण में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।यह प्रेस वार्ता भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति के प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा ने बताया कि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की प्रांतीय इकाई भारती शिक्षा समिति द्वारा प्रतिवर्ष इस भव्य एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।विद्यालय एवं विभाग स्तर पर चयनित भैया-बहन इस प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। 26 सितंबर से 29 सितंबर तक चलने वाली इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के 17 जिलों के 7 विभागों से लगभग 800 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रदेश सचिव ने एक और बड़ी उपलब्धि साझा करते हुए बताया कि 'नमामि भारतम्' के तहत आयोजित वंदे मातरम कार्यक्रम में देश भर के 25,000 विद्यालयों के 40 लाख छात्रों ने एक ही समय पर, एक स्वर में सामूहिक वंदे मातरम का गायन किया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है, जो पूरे देश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि हम भारत को भारत माता के रूप में पूजते हैं और वंदे मातरम में भारत माता का ही नमन किया गया है। विद्या भारती द्वारा प्रतिवर्ष 21 प्रकार के खेलों का आयोजन किया जाता है, जिससे बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास होता है। खेल से भैया-बहनों में टीम भावना, अनुशासन और हार-जीत को सहजता से स्वीकार करने की खेल भावना विकसित होती है। प्रतियोगिता के आगे के सफर की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इस प्रांतीय खेलकूद में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी 7 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक जमशेदपुर में आयोजित होने वाली क्षेत्रीय एथलेटिक्स खेलकूद प्रतियोगितामें हिस्सा लेंगे। वहां सफल होने वाले भैया-बहन पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाली अखिल भारतीय एथलेटिक्स खेलकूद प्रतियोगिता में प्रांत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसके बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को एसजीएफआई में खेलने का अवसर प्राप्त होता है। इस विशेष अवसर पर भागलपुर के जिला निरीक्षक सतीश कुमार सिंह, बांका विभाग के विभाग निरीक्षक ब्रह्मदेव प्रसाद, मुंगेर विभाग के जिला निरीक्षक वीरेंद्र कुमार, विद्यालय के प्रधानाचार्य अमरेश कुमार, प्रांतीय खेलकूद संयोजक राकेश कुमार पांडेय, कार्यक्रम प्रमुख डॉ. संजीव कुमार झा, दीपक कुमार झा, शशि भूषण मिश्र, शांतनु आनंद सहित विद्यालय के समस्त आचार्य व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

80 की उम्र में शैवाल की रचनात्मक वापसी, अर्धनायक फिल्म में दिखा लोक कला का दर्द

अर्धनायकह्न में लोककला के क्षरण की है दास्तान, 80 की उम्र में रचनात्मक पारी खेल रहे लेखक शैवाल

गया के लाल व भाभी जी घर पर हैं के फेम अनूप कुमार सिंह की भी अहम भूमिका

मानपुर की धरती पर जारी है फिल्म की शूटिंग, ग्रामीण जीवन के संकट को कथा को बनाया केंद्र

गया जी (एजेंसी) : प्रकाश झा की चर्चित और राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित फिल्म ह्यदामुलह्न और ह्यमृत्युदंडह्न के लेखक शैवाल 80 वर्ष की उम्र में एक बार फिर रचनात्मक रूप से सक्रिय हैं। उनकी लिखी फिल्म ह्यअर्धनायकह्न की शूटिंग गया के मानपुर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर जारी है। फिल्म की कहानी केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि बदलते समय में लोककला के हाशिए पर जाने, पानी के संकट और ग्रामीण समाज की चुनौतियों की गंभीर पड़ताल करती है।फिल्म की निमार्ता डी. आलिया, निर्देशक अंजनी कुमार और डीओपी अरविंद के. हैं। मुख्य भूमिकाओं में डी. आलिया, पुष्यमित्र, ह्यभाभी जी घर पर हैंह्न फेम अनूप कुमार सिंह और ह्यसैयाराह्न फेम राजेश कुमार नजर आएंगे। वहीं ह्यलकी... लकी ओय लकीह्न फेम अभिनेत्री स्नेहा उल्लाल भी फिल्म में महत्वपूर्ण चरित्र निभा रही हैं।गया के लाल अनूप कुमार सिंह की अहम भूमिकागया जिले के फतेहपुर नगर पंचायत के रहने वाले अनूप कुमार सिंह अभिनय के क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुके हैं। दर्जनों टीवी सीरियल, फिल्म, बेब फिल्म के साथ चर्चित टीवी सीरियल ह्यभाभी जी घर पर हैंह्न से दर्शकों के बीच पहचान बनाने वाले अनूप कुमार सिंह अब ह्यअर्धनायकह्न में महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। गया की धरती पर फिल्म की शूटिंग उनके लिए अपने क्षेत्र से जुड़ने का भी अवसर है। लोककला, ग्रामीण जीवन और बदलते सामाजिक परिवेश पर आधारित इस फिल्म में उनका किरदार कथा के अहम हिस्से को आगे बढ़ाता है। स्थानीय पृष्ठभूमि से जुड़े कलाकार के रूप में अनूप की मौजूदगी फिल्म को गया और मगध के दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण बना रही है

राजदरबार से नौटंकी तक, फिर नटुआ नाच तक पहुंचती लोककला की यात्राह्यअर्धनायकह्न की कथा का आरंभ राजघराने से होता है। दरबार की नर्तकी के प्रति राजा की दृष्टि उस दौर में कला और कलाकार की सामाजिक स्थिति की तस्वीर सामने रखती है। समय बदलता है, राजघराने समाप्त होते हैं और वही नर्तकी नौटंकी की दुनिया से जुड़ जाती है। उम्र के अगले पड़ाव पर उसका पुत्र नटुआ नाच की परंपरा को आगे बढ़ाता है। 1950 से 2000 तक पांच दशकों की यह यात्रा दरअसल लोककला के बदलते स्वरूप और उसके सिकुड़ते सामाजिक दायरे की कहानी है। फिल्म यह सवाल उठाती है कि जिस कला ने लोकजीवन में उत्सव, संवेदना और प्राण-रस भरा, वही धीरे-धीरे हाशिए पर क्यों चली गई।

मिट्टी में फना हो जाना ही असल में फन है, मिट्टी को बर्बाद करना नहीं

ह्यअर्धनायकह्न का संदेश इसकी सबसे महत्वपूर्ण परतों में से एक है—ह्नमिट्टी में फना हो जाना ही असल में फन है, मिट्टी को बर्बाद करना नहीं।ह्व इस एक पंक्ति में कला, कलाकार, प्रकृति और समाज के रिश्ते का सार समाहित दिखाई देता है।कहानी का एक महत्वपूर्ण आयाम पानी का संकट भी है। ग्रामीण जीवन की समस्याओं को कथा के व्यापक फलक से जोड़ते हुए फिल्म केवल सवाल नहीं करती, बल्कि जनभागीदारी के जरिए समाधान की संभावनाओं की ओर भी संकेत करती है। गया जिले के मानपुर के ग्रामीण परिवेश में चल रही शूटिंग के बीच ह्यअर्धनायकह्न एक ऐसी फिल्म के रूप में आकार ले रही है, जो लोककला की स्मृतियों को वर्तमान के सवालों से जोड़ती है और दर्शक को यह सोचने पर विवश करती है कि विकास की दौड़ में हमने अपनी मिट्टी, पानी और लोक-संस्कृति से क्या खोया है। प्रस्तुति :डॉ प्रेरणा अदिति

रेलवे परिसर में स्वच्छता प्रभावित करने पर अब लगेगा एक हजार रुपए का आर्थिक दंड

हाजीपुर (एजेंसी) : रेलवे परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने तथा यात्रियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे स्टेशन नियम, 2012 के अंतर्गत स्वच्छता संबंधी प्रावधानों को प्रभावी बनाया गया है तथा जन विश्वास अधिनियम - 2026 के माध्यम से किए गए संशोधन के बाद स्वच्छता को प्रभावित करने वाली गतिविधियों के लिए निर्धारित दंड को ₹500 से बढ़ाकर ₹1,000 किया गया है।रेलवे परिसर में कूड़ा-कचरा फैलाना अथवा ऐसी कोई गतिविधि करना जिससे रेलवे परिसर की स्वच्छता प्रभावित होती है, नियमों के अंतर्गत दंडनीय है। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्ति पर ₹1,000 का दंड लगाया जा सकता है।

दंड के प्रावधान इस प्रकार हैंरेलवे परिसर की स्वच्छता को प्रभावित करने वाली गतिविधि करने पर ₹1,000 का दंड।यदि संबंधित व्यक्ति निर्धारित ₹1,000 के दंड का भुगतान नहीं करता है, तो उसे सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।सक्षम न्यायालय द्वारा ऐसे व्यक्ति पर ₹2,000 तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है।इस प्रावधान का उद्देश्य यात्रियों को दंडित करना मात्र नहीं, बल्कि रेलवे परिसरों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी और अनुशासन को बढ़ावा देना है। यात्रियों से अपील है कि वे रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, फुटओवर ब्रिज एवं अन्य रेलवे परिसरों में कूड़ा-कचरा न फैलाएं और कचरे को निर्धारित डस्टबिन में ही डालें। स्वच्छ रेल परिसर - स्वच्छ भारत की ओर एक कदम के तहत रेल प्रशासन यात्रियों से स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करने तथा अन्य यात्रियों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की अपील करती है।

दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान : गोपाल जी ठाकुर

दरभंगा, (एजेंसी) : भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में शामिल पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती पर शुक्रवार को बलभद्रपुर, लहेरियासराय स्थित दरभंगा संसदीय कार्यालय में भाजपा पश्चिमी जिला इकाई की ओर से जयंती समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला वरीय उपाध्यक्ष अभयानंद ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री सुजीत मल्लिक ने किया।

समारोह का उद्घाटन स्थानीय सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डॉ. गोपाल जी ठाकुर एवं बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष मृत्युंजय झा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यकताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

सांसद डॉ. ठाकुर ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय कुशल राजनेता के साथ चिंतक और पत्रकार भी थे।

एकात्म मानववाद एवं अंत्योदय के उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास एवं कल्याण पहुंचाने के लिए उनके विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता है।

संपादकीय

सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका में भगदड़?

देश की राजनीति और संवैधानिक संस्थाओं के बीच पिछले कुछ समय में जिस तेजी से घटनाक्रम बदला है, उसने लोकतंत्र में संस्थागत भरोसे को लेकर गंभीर बहस खड़ी कर दी है। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल अब केवल आयोग तक सीमित नहीं हैं। सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका–तीनों की भूमिका सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में है। मूल प्रश्न किसी एक संस्था को दोषी ठहराने का नहीं, बल्कि यह है कि संवैधानिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा किस तरह कायम रखा जाए।

सबसे बड़ा विवाद मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सामने आया है। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने, अपीलों की संख्या और उनके निपटारे की गति को लेकर सवाल उठे हैं। सुप्रीम कोर्ट में भी इस प्रक्रिया से जुड़े कई पहलुओं पर सुनवाई हुई है। अदालत ने नोटिस जारी करने की प्रक्रिया और तथाकथित ह्यलॉजिकल डिस्क्रेपेंसीह्न के आधार पर कार्रवाई को लेकर चुनाव आयोग से स्पष्टीकरण मांगा है। अदालत का यह सवाल महत्वपूर्ण है कि क्या ऐसे नोटिस वास्तव में प्रत्येक मामले की जांच के बाद जारी किए गए या कहीं प्रक्रिया यांत्रिक तो नहीं हो गई?यह सवाल इसलिए गंभीर है क्योंकि मतदाता सूची महज प्रशासनिक दस्तावेज नहीं है। यह नागरिक के लोकतांत्रिक अधिकार से सीधे जुड़ी है। किसी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से सूची से बाहर हो जाता है तो उसका प्रभाव केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी पड़ता है। इसलिए मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया जितनी व्यापक हो, उतनी ही पारदर्शी और सत्यापन योग्य भी होनी चाहिए।चुनाव आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली को लेकर उठे सवालों ने इस विवाद को और गंभीर बना दिया है। आयोग तीन सदस्यीय संवैधानिक संस्था है और सामान्यतः उसके निर्णय सामूहिक संस्थागत प्रक्रिया के माध्यम से लिए जाने की अपेक्षा होती है। यदि आयोग के भीतर महत्वपूर्ण निर्णयों को लेकर मतभेद या आपत्तियां दर्ज हुई हैं, तो जनता को यह जानने का अधिकार है कि निर्णय किस प्रक्रिया के तहत लिए गए और संबंधित सदस्यों की क्या भूमिका रही।इसी तरह आयोग के तकनीकी ढांचे, पोर्टल, सॉफ्टवेयर और डेटा प्रबंधन को लेकर भी पारदर्शिता आवश्यक है। चुनाव प्रक्रिया तेजी से डिजिटल हो रही है।

अभिव्यक्ति की कुशल शक्ति ही तो कला है।
: मैथिलीशरण गुप्त

देशभक्त जननी की सच्ची संतान हैं।
: जयशंकर प्रसाद

सूडोकु नवताल- 7645

★★★✯☆ मध्यम

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7644 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

दैनिक पंचांग

26 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कन्या में
चंद्र	मीन में
मंगल	कर्क में
बुध	कन्या में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
तुला	07.26 बजे से
वृश्चिक	09.41 ब.से
धनु	11.57 बजे से
मकर	14.02 बजे से
कुंभ	15.49 बजे से
मीन	17.22 बजे से
मेष	18.52 बजे से
वृष	20.32 बजे से
मिथुन	22.30 बजे से
कर्क	00.44 बजे से
सिंह	03.00 बजे से
कन्या	05.12 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 269 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 22.19 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 11.32 बजे को समाप्त।
योग गण्ड 13.18 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 10.47 बजे तदनन्तर बव 22.19 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 01° 10’
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872844
जूलियन दिन 2461309.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 14
विशेष स्नानदान व्रत पूर्णिमा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

काल चक्र की संक्रांति और पितृ चेतना का अवतरण पितृ पक्ष

सनातन काल गणना में समय केवल एक रैखिक गति नहीं है, अपितु यह एक सुव्यवस्थित, चक्रीय और आध्यात्मिक स्पंदन है। उत्तरायण और दक्षिणायन की संक्रांति के मध्य, आश्विन मास का कृष्ण पक्ष भारतीय संस्कृति में एक अत्यंत पावन और रहस्यात्मक कालखंड के रूप में प्रतिष्ठित है, जिसे लोक व्यवहार में पितृ पक्ष अथवा महालय कहा जाता है। आधुनिक भौतिकवादी दृष्टि जिसे केवल एक मृत संस्कृति, अंधविश्वास या कर्मकांडीय औपचारिकता मानकर उपेक्षित कर देती है, वह वास्तव में सूक्ष्म जीव विज्ञान, ब्रह्मांडीय ऊर्जा के संचरण और ऋण शोधन का एक परम वैज्ञानिक विधान है। उल्लेखनीय है कि दृश्य जगत के पीछे अदृश्य शक्तियों का एक विराट जाल कार्य कर रहा है। पितृ पक्ष इसी दृश्य और अदृश्य जगत के मध्य एक आध्यात्मिक सेतु है, जो यह सिद्ध करता है कि मृत्यु जीवन का अंत नहीं, अपितु चेतना का केवल देशांतरण है।

वेदों में पितृ तत्व को किसी काल्पनिक प्रेत या भय उत्पन्न करने वाली सत्ता के रूप में नहीं, बल्कि देवताओं के समतुल्य एक दिव्य ऊर्जा पुंज के रूप में स्वीकार किया गया है। ऋग्वेद का दसवां मण्डल पितृ चेतना के रहस्यों से परिपूर्ण है। ऋग्वेद 10/15/1 में ऋषियों ने उद्घोष किया है-

उदीरतामवर उत्परास उन्मध्यमाः पितर उग्रवासाः।
असुं य ईयुरवृका ऋतज्ञास्ते नो अवन्तु पितरो हवेषु।।

इस मंत्र का निहितार्थ यह है कि पितर तीन श्रेणियों में विभक्त हैं- अवर (निम्न लोक में स्थित या सद्य मृत), मध्यम (अंतरिक्ष लोक में स्थित), और पर (उच्च या सोम लोक में स्थित दिव्य पितर)। वे ऋतज्ञ हैं, अर्थात वे ब्रह्मांड के परम सत्य और प्राकृतिक नियमों के ज्ञाता हैं। वैदिक मतानुसार मनुष्य का अस्तित्व केवल पंचमहाभूतों के इस वर्तमान शरीर तक सीमित नहीं है। हमारे पूर्वज, जिन्होंने अपने स्थूल शरीर का परित्याग कर दिया है, वे अपनी सूक्ष्म तरंगों के माध्यम से अंतरिक्ष लोक में आज भी विद्यमान हैं और सृष्टि के सातत्य को बनाए रखने में अपनी ऊर्जा का योगदान दे रहे हैं। यजुर्वेद और अथर्ववेद में भी पितरों को स्वधा मंत्र के साथ आहुतियां प्रदान की गई हैं। देवताओं के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द स्वाहा है, जबकि पितरों के लिए स्वधा का प्रयोग किया जाता है। व्याकरण शास्त्र के अनुसार स्वधा का अर्थ है- अपनी अंतर्निहित शक्ति, अथवा वह अन्न जो सूक्ष्म शरीर को तृप्त करने में समर्थ हो। यह इस बात का प्रमाण है कि वैदिक ऋषि इस सूक्ष्म विज्ञान से पूर्णतः परिचित थे कि स्थूल अन्न को किस प्रकार मंत्र और श्रद्धा की ऊर्जा द्वारा सूक्ष्म तत्वों में रूपांतरित कर अंतरिक्ष लोक में संचरण कर रहे पितरों तक पहुँचाया जा सकता है।

सनातन दर्शन में मनुष्य का जन्म केवल व्यक्तिगत उपभोग के लिए नहीं होता, अपितु वह जन्म लेते ही समष्टि के प्रति कुछ अनिवार्य दायित्वों से बंध जाता है। शतपथ ब्राह्मण और तैत्तिरीय संहिता में ऋण त्रय का सिद्धांत प्रतिपादित किया गया है, जिसके अनुसार प्रत्येक मनुष्य पर तीन प्रकार के जन्मजात ऋण होते हैं-देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण।

देव ऋण उन प्राकृतिक शक्तियों (सूर्य, वायु, जल, पृथ्वी) के प्रति ऋण है, जो हमारे जीवन को संभव बनाती हैं। यज्ञ और पर्यावरण की रक्षा द्वारा इसका शोधन होता है।

ऋषि ऋण उन मनीषियों के प्रति ऋण है, जिन्होंने ज्ञान, विज्ञान, भाषा और संस्कृति की परंपरा हमें सौंपी। स्वाध्याय और ज्ञान के प्रसार द्वारा मनुष्य इस ऋण से मुक्त होता है।

पितृ ऋण हमारे माता-पिता और पूर्वजों के प्रति ऋण है, जिन्होंने हमें यह भौतिक शरीर प्रदान किया, हमारी रक्षा की और कुल की परंपरा को आगे बढ़ाया। संतानोत्पत्ति और पितृ पक्ष में श्राद्ध-तर्पण के माध्यम से इस ऋण का शमन होता है।

इस ऋण त्रय के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि पितृ पक्ष कोई ऐच्छिक कर्मकांड नहीं, बल्कि एक अनिवार्य नैतिक कर्तव्य है। जो समाज अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना भूल जाता है, उसका सांस्कृतिक और नैतिक पतन अवश्यंभावी है। पितृ पक्ष वास्तव में कृतज्ञता का वैश्विक उत्सव है।

श्राद्ध शब्द की उत्पत्ति श्रत और धा के संयोग से हुई है। श्रत सत्यं दधाति इति श्रद्धा- जो सत्य को धारण करे, वही श्रद्धा है। और श्रद्धया इदं श्राद्धम् अर्थात जो कार्य पूर्ण श्रद्धा के साथ, पूर्वजों के निमित्त किया जाए, वह श्राद्ध है। महर्षि याज्ञवल्क्य के अनुसार श्राद्ध का मूल तत्व अन्न या जल का दान मात्र नहीं है, बल्कि उसके पीछे छिपा हुआ संकल्प और श्रद्धा का वेग है। श्राद्ध विवेक और निर्णयसिंधु जैसे ग्रंथों के अध्ययन से यह तथ्य प्रकट होता है कि श्राद्ध के मुख्यतः तीन घटक हैं- तर्पण, पिंडदान और ब्राह्मण भोजन व दान।

तर्पण- तृप्यन्ति अनेन इति तर्पणम् अर्थात जिसके द्वारा तृप्ति मिले। जल में तिल, चंदन और कुशा मिलाकर जब अंगूठे के माध्यम से (पितृ तीर्थ से) जल अंजलि दी जाती है, तो वह केवल भौतिक जल नहीं रहता। कुशा एक ऐसी वनस्पति है, जिसमें ब्रह्मांडीय तरंगों को ग्रहण करने और उन्हें संचरित करने की अद्भुत क्षमता होती है। काले तिल ऊर्जा के श्रेष्ठ सुचालक हैं। जब इन तत्वों के साथ मंत्रोच्चार होता है, तो एक विशिष्ट विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र निर्मित होता है, जो हमारे संकल्प को पितृ लोक तक प्रेषित करता है।

पिंडदान- पिंड का अर्थ है गोल आकृति, जो ब्रह्मांड और हमारे शरीर दोनों का प्रतीक है। जौ के आटे, खोये या चावल से बने पिंड वास्तव में उस स्थूल शरीर का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसे हमारे पूर्वजों ने छोड़ा था। पिंडदान के माध्यम से हम यह घोषणा करते हैं कि उनके शरीर का अंश आज भी हमारे भीतर सुरक्षित है और हम उनके प्रति पूर्णतः समर्पित हैं।

ब्राह्मण भोजन व दान- भारतीय दर्शन में अहं ब्रह्मास्मि और सर्वं खलु इदं ब्रह्म के सिद्धांत के अनुसार, प्रत्येक जीव में उसी एक परमात्मा का वास है। श्राद्ध के समय सुयोग्य, ज्ञानी और सदाचारी व्यक्ति को कराया गया भोजन सीधे पितरों की तृप्ति का कारण बनता है, क्योंकि चेतना के धरातल पर संपूर्ण विश्व एक ही ताने-बाने से बुना हुआ है।

पितृ पक्ष का समय कोई आकस्मिक चयन नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक गहरा खगोलीय विज्ञान कार्यरत है। आश्विन मास में सूर्य देव सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश करते हैं। ज्योतिषीय और खगोलीय गणना के अनुसार जब सूर्य कन्या राशि में होता है, तब पृथ्वी और चंद्रलोक, जिसे पितृलोक का द्वार माना गया है के मध्य की दूरी और कोणीय स्थिति ऐसी होती है कि चुंबकीय तरंगे सीधे पृथ्वी की ओर आकर्षित होती हैं। वायु पुराण और मत्स्य पुराण में इसका विस्तृत विश्लेषण मिलता है। चंद्रमा का जो ऊर्ध्व भाग है, वह पितृलोक कहलाता है। जब सूर्य कन्या राशि में होता है, तो पितरों को अपनी संतानों के सबसे निकट आने का अवसर मिलता है। इसे महालय इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह महान आलय (मिलन स्थल) है, जहां दृश्य जगत के मनुष्य और अदृश्य जगत के पितर एक सूक्ष्म धरातल पर परस्पर मिलते हैं। इस अवधि में किया गया तर्पण सीधे पितृ चेतना को उद्वेलित और तृप्त करता है।

महाभारत के अनुशासन पर्व में श्राद्ध की महिमा और दान के महत्व पर अत्यंत मार्मिक विमर्श मिलता है। एक प्रसिद्ध प्रसंग दानवीर कर्ण से जुड़ा है। युद्ध के पश्चात जब कर्ण वीरगति को प्राप्त होकर स्वर्ग पहुंचे, तो उन्हें भोजन के स्थान पर केवल स्वर्ण, रत्न और आभूषण खाने के लिए दिए गए। व्याकुल होकर कर्ण ने यमराज से इसका कारण पूछा। यमराज ने स्पष्ट किया कि तुमने अपने संपूर्ण जीवन में केवल सुवर्ण और धन का ही दान किया, अपने पूर्वजों को कभी अन्न और जल का दान नहीं दिया, इसलिए तुम्हें यहां वही प्राप्त हो रहा है जो तुमने बोया था। कर्ण ने तर्क दिया कि वे अपने पूर्वजों के नाम और गोत्र से अनभिज्ञ थे, इसलिए वे ऐसा नहीं कर पाए। तब यमराज ने उन्हें पंद्रह दिनों के लिए पुनः पृथ्वी पर जाने की अनुमति दी। कर्ण ने पृथ्वी पर आकर उन पंद्रह दिनों में भूखों को अन्न खिलाया, जल पिलाया और अपने पितरों का श्राद्ध किया। यही पंद्रह दिन पितृ पक्ष के रूप में अमर हो गए। यह कथा इस शाश्वत सत्य को उद्घाटित करती है कि मनुष्य चाहे कितना भी भौतिक धन अर्जित कर ले, किंतु जीवन की निरंतरता के लिए अन्न, जल और संवेदनशीलता ही सर्वोपरि हैं।आधुनिक तार्किक बुद्धि प्रायः एक प्रश्न उठाती है- यदि आत्मा अमर है और वह अपने कर्मों के अनुसार तुरंत दूसरा जन्म ले लेती है, तो फिर श्राद्ध का अन्न या तर्पण उन तक कैसे पहुँच सकता है? क्या यह विरोधाभास नहीं है?

सनातन मेधा इस शंका का अत्यंत वैज्ञानिक समाधान प्रस्तुत करती है। मार्कण्डेय पुराण में इस विषय पर एक अत्यंत गहरा और विश्लेषणात्मक संवाद है। आत्मा जब नया शरीर धारण करती है, तो वह किसी भी योनि में जा सकती है, वह देव, मनुष्य, पशु, पक्षी या वृक्ष कुछ भी बन सकती है। किंतु श्राद्ध के समय जो मंत्र और नाम, गोत्र का उच्चारण किया जाता है, वह एक कूरियर या विशिष्ट तरंग सूचकांक की भांति कार्य करता है। यदि हमारे पूर्वज देव योनि में हैं, तो यहां दिया गया अन्न उन्हें अमृत के रूप में प्राप्त होता है। यदि वे गंधर्व योनि में हैं, तो उन्हें भोग के रूप में, यदि वे पशु योनि में हैं, तो तृण (घास) के रूप में, और यदि वे मनुष्य योनि में हैं, तो अन्न के रूप में उन्हें तृप्ति मिलती है। इसे इस प्रकार समझा जा सकता है कि जैसे हम भारत से विदेश में बैठे किसी व्यक्ति को धन भेजते हैं, तो वह भारतीय रुपया वहां की मुद्रा (डॉलर या यूरो) में रूपांतरित होकर उसे मिलता है। ठीक उसी प्रकार, हमारी श्रद्धा और मंत्र की शक्ति यहाँ के स्थूल पदार्थों को पितरों की वर्तमान योनि के अनुकूल सूक्ष्म ऊर्जा में परिवर्तित कर देती है। यह ब्रह्मांडीय रूपांतरण का नियम है।

पितृ पक्ष का श्राद्ध केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं है, यह संपूर्ण चराचर सृष्टि को अपने भीतर समेट लेता है। श्राद्ध कर्म में पंचबलि का विधान है, जिसके अंतर्गत पांच विशेष जीवों को भोजन निकाला जाता है- गौ बलि (गाय), श्वान बलि (कुत्ता), काक बलि (कौआ), देवादि बलि (चींटियाँ व कीड़े-मकोड़े) और पिपीलिकादि बलि (अतिथि व भिक्षुक)।

गाय को सनातन परंपरा में साक्षात पृथ्वी और दैवीय ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। यह सात्विक गुणों का पोषण करती है। कुत्ता यमराज का प्रतीक माना गया है और इसकी घ्राण शक्ति तथा सूक्ष्म तरंगों को भांपने की क्षमता अद्भुत होती है। यह आधिभौतिक सुरक्षा का प्रतीक है। कौआ अंतरिक्ष लोक और पृथ्वी लोक के मध्य एक संदेशवाहक माना गया है। दीर्घायु और सूक्ष्म जगत से संपर्क के कारण काक को भोजन देना पितरों की सीधी तृप्ति से जुड़ा है।

देवादि बलि, चींटियांव कीड़े-मकोड़े आदि सूक्ष्म जीवों के प्रति हमारे उत्तरदायित्व को दर्शाता है, जो पारिस्थितिकी तंत्र के अत्यंत महत्वपूर्ण घटक हैं। पिपीलिकादि बलि, अतिथि व भिक्षुक आदि मानव समाज के उन वंचित तत्वों के प्रति करुणा, जो साक्षात ईश्वर का रूप हैं। इस पंचबलि विधान यह स्पष्ट करता है कि पितृ पक्ष वास्तव में मनुष्य को स्वार्थ के संकुचित दायरे से बाहर निकालकर संपूर्ण ब्रह्मांड के साथ एकाकार करने का अनुष्ठान है। यह जैव विविधता और सह अस्तित्व का वह उच्चतम आदर्श है, जिसकी कल्पना आधुनिक पर्यावरणविद आज कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि पितृ पक्ष कोई अतीत की मृत कड़ियाँ जोड़ने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह वर्तमान को समृद्ध और भविष्य को सुरक्षित करने का एक जीवंत माध्यम है। जिस प्रकार एक वृक्ष की जड़ें यदि सूखी रहें, तो उसकी शाखाओं पर कभी सुंदर पुष्प और फल नहीं लग सकते, उसी प्रकार यदि हमारे पितर अतृप्त और विस्मृत रहेंगे, तो हमारी आने वाली पीढ़ियां कभी सुखी और संस्कारी नहीं हो सकतीं। आज समाज में जो डिप्रेशन, पारिवारिक कलह, वंशानुगत रोग और मानसिक अशांति दिखाई दे रही है, उसे ज्योतिष और आयुर्वेद में कई बार पितृ दोष के रूप में चिह्नित किया जाता है। पितृ दोष वास्तव में हमारे पूर्वजों की ऊर्जा के साथ हमारे असंतुलन का नाम है।पितृ पक्ष हमें अपनी जड़ों की ओर लौटने का संदेश देता है। यह हमें स्मरण कराता है कि हम इस संसार में अकेले नहीं आए हैं, हमारे पीछे सहस्त्रों वर्षों का एक गौरवशाली इतिहास, तपस्या और रक्त संबंध खड़ा है। जब हम पूर्ण श्रद्धा के साथ जल की एक अंजलि अपने पूर्वजों को अर्पित करते हैं, तो हम वास्तव में अपनी संस्कृति, अपनी परंपरा और अपने अस्तित्व के प्रति अपनी निष्ठा को नवीनीकृत कर रहे होते हैं। वैदिक वांग्मय का यह अमर संदेश संपूर्ण मानवता के लिए कल्याणकारी है-

ॐ मधु वाता ऋतायते मधु क्षरन्ति सिन्धवः। माध्वीर्नः सन्त्वोषधीः।मधु नक्तमुतोषसो मधुमत्पार्थिवं रजः। मधु द्यौरस्तु नः पिता।हवाएं मधुमय हों, नदियां अमृत बहाएं, औषधियां आनंददायी हों, और हमारे पूर्वज (पिता) हमारे लिए कल्याणकारी और आनंदमय हों। इसी समष्टिगत कल्याण की भावना में पितृ पक्ष की वास्तविक वेदानुकूल सार्थकता अंतर्निहित है।

अशोक प्रवृद्ध

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

हड़ताल — सुविधा मांगने का असुविधाजनक तरीका

मांग किसी की हो, कीमत अक्सर किसी और को चुकानी पड़ती है। बैंक कर्मचारियों की मांग हो तो बैंक बंद, बस मालिकों की हो तो परिवहन व्यवस्था ठप, ट्रक ऑपरेटरों की हो तो माल ढुलाई ठप, डॉक्टरों की हो तो अस्पतालों की रफ्तार धीमी और शिक्षकों की हो तो पढ़ाई प्रभावित। क्षेत्र अलग, समस्याएं अलग और संगठन अलग, लेकिन हड़ताल की पटकथा लगभग एक–चेतावनी, बंद, वार्ता, आश्वासन और फिर कुछ दिनों की शांति। फिर नया मुद्दा, नई चेतावनी और वही पुराना चक्र। इस सिलसिले का सबसे स्थायी किरदार वही है, जो न कर्मचारी है, न प्रबंधन और न नीति-निमार्ता–आम आदमी, जो हर बार बिना मांग किए इसकी कीमत चुकाता है।

आठ लाख बैंक कर्मचारी पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह, पीएलआई योजना की वापसी/संशोधन और पेंशन अपडेशन समेत अन्य लंबित मुद्दों की मांग को लेकर हड़ताल की चेतावनी दे रहे हैं। सवाल इन मांगों से ज्यादा उस व्यवस्था पर है, जो समाधान तक पहुंचने से पहले हड़ताल की स्थिति बना देती है। काम के घंटे, पारिश्रमिक, पेंशन और सेवा-शर्तें कर्मचारियों के महत्वपूर्ण मुद्दे हैं; इन पर बातचीत होना स्वाभाविक है। फिर समाधान हड़ताल तक क्यों पहुंचे? जब यूनियन और प्रबंधन के बीच संस्थागत संवाद का रास्ता मौजूद है, तो बैंक बंद करने की नौबत क्यों आए? और यदि मार्च 2024 में समझौता हो चुका था, तो उसकी अधिसूचना अब तक क्यों नहीं हुई? हर बार हड़ताल की तारीख नजदीक आने पर ही व्यवस्था क्यों जागती है?हड़ताल की घोषणा कर्मचारी करते हैं, लेकिन उसकी तैयारी आम आदमी को करनी पड़ती है। खबर आते ही सलाह–जरूरी लेनदेन निपटा लें, नकदी निकाल लें, चेक जमा कर दें, पेंशन का काम करा लें। यानी व्यवस्था ठप होने का इंतजाम भी नागरिक करे! डिजिटल बैंकिंग बढ़ी है, पर भारत सिर्फ महानगरों की मोबाइल स्क्रीन नहीं। छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में बैंक शाखा आज भी जरूरी है। पेंशनर को काउंटर चाहिए, छोटे व्यापारी को बैंकिंग व्यवस्था और लाखों लोगों के लिए हर काम ऐप से संभव नहीं। तीन दिन बैंक बंद रहना बड़े कारोबारी के लिए असुविधा हो सकता है, लेकिन बुजुर्ग की दवा, दुकानदार का भुगतान या परिवार की जरूरी रकम अटक जाए तो उसकी कीमत बड़ी होती है।

हड़ताल जहां काम रोकती है, वहीं उसका असर आम आदमी की जिंदगी रोक देता है। बस मालिक किराया बढ़ाने की मांग पर हड़ताल करें तो यात्री की राह और जेब, दोनों प्रभावित होते हैं। ट्रक ऑपरेटर लागत और टोल का मुद्दा उठाएं तो माल की आवाजाही रुकती है और कीमतें बढ़ती हैं। डॉक्टरों की हड़ताल में मरीज इंतजार करता है, बिजली कर्मचारियों के आंदोलन में घर-कारोबार प्रभावित होते हैं और शिक्षकों के आंदोलन में विद्यार्थियों का समय जाता है। हड़ताल खत्म होने पर वार्ता में मांगों का हिसाब होता है, लेकिन मरीज का इंतजार, मजदूरी का नुकसान, रुका कारोबार और बढ़ी कीमतों का हिसाब कहीं नहीं होता।हड़ताल खत्म होते ही व्यवस्था ऐसे चल पड़ती है, मानो जनता की जिंदगी में कुछ रुका ही नहीं था। कुछ मांगें मान ली जाती हैं, कुछ समितियों के हवाले, कुछ आश्वासनों में और कुछ अगली बैठक की फाइल में चली जाती हैं। बैठकें होती हैं, बयान आते हैं और मामला शांत। लेकिन उन तीन दिनों का क्या, जब बैंक के चक्कर काटता नागरिक अपना काम नहीं करा सका? छोटे व्यापारी का अटका भुगतान, पेंशनर का टला काम, कर्मचारी की गई मजदूरी और मरीज का बिगड़ा इलाज–इनका हिसाब कौन देगा? न कोई मुआवजा, न जवाबदेही, न प्रतिपूरक व्यवस्था। जैसे आम आदमी की परेशानी कोई लागत ही नहीं, जिसे हर आंदोलन बेझिझक जनता के खाते में डाल दे।

बात हड़ताल का अधिकार छीनने की नहीं, उसे ऐसी व्यवस्था में बांधने की है जिसमें उसकी कीमत जनता न चुकाए। कर्मचारियों को अपनी मांग रखने और विरोध करने का अधिकार है, लेकिन अधिकार जिम्मेदारी से अलग नहीं हो सकता। बैंक हड़ताल पर हों तो न्यूनतम सेवाएं कैसे चलेंगी? सार्वजनिक परिवहन रुके तो वैकल्पिक व्यवस्था कौन करेगा? जरूरी सेवाएं प्रभावित हों तो नागरिकों के लिए आपात विकल्प क्या होंगे? और जब समझौता हो जाए, तो उसे लागू करने की समयसीमा क्यों न तय हो? सरकार, प्रबंधन और यूनियन यदि समयबद्ध बातचीत और फैसलों के लिए जवाबदेह हों, तो हड़ताल मजबूरी की आखिरी सीढ़ी बनेगी, हर मांग की पहली सीढ़ी नहीं।

हड़ताल अब आम आदमी के लिए खबर नहीं, पहले से जारी होने वाली चेतावनी बन गई है। बैंक हड़ताल की सूचना मिलते ही वह पैसे निकालने लगता है, बस हड़ताल की खबर आते ही दूसरा साधन खोजता है और ट्रकों की हड़ताल सुनते ही महंगा होने के डर से जरूरी सामान जुटाने लगता है। यानी नागरिक व्यवस्था से समाधान की उम्मीद छोड़, अव्यवस्था से बचने की तैयारी करने लगा है। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? लोकतंत्र की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि हड़ताल के बाद कितनी मांगें मानी गईं; यह भी पूछा जाना चाहिए कि मांग और समाधान के बीच आम आदमी ने कितनी कीमत चुकाई।मांगें बदलेंगी, हड़तालें आएंगी, पर सवाल वही रहेगा–हर संघर्ष की कीमत आम आदमी ही क्यों चुकाए? पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह, पेंशन सुधार, वेतन वृद्धि या डीजल लागत–मांगें जायज हो सकती हैं, पर समाधान बातचीत, समयबद्ध फैसलों और जवाबदेही से होना चाहिए। हड़ताल जरूरी हो तो उसकी मार न्यूनतम रखने की जिम्मेदारी तय हो। वरना चक्र वही रहेगा–मांग, चेतावनी, हड़ताल, जनता की परेशानी, बैठक और आश्वासन; फिर नया मुद्दा। पोस्टर, नारे और मांगें बदलेंगी, लेकिन भुगतेगा वही–आम आदमी। हड़ताल की सफलता सिर्फ मांगें मनवाने में नहीं, उसकी कीमत जनता पर न पड़ने में है। विरोध का अधिकार जरूरी है, पर ऐसा विरोध किस काम का, जिसमें मांग सुनी जाए और जनता भुगते?

प्रो. आरके जैन अरिजीत

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

क्षमावाणी : जिस दिन मैं से बड़ा हो गया रिश्ता

कुछ रिश्ते टूटते नहीं, बस उनके बीच अदृश्य दीवार खड़ी हो जाती है। उसकी ईंटें अक्सर दोनों तरफ के लोग रखते हैं–एक शब्द इधर से गया, जवाब उधर से आया, फिर चुप्पी और देखते-देखते दूरी बन गई। मनुष्य रिश्ते बनाता है, पर अपनी बात और अहं बचाने में ऊर्जा लगा देता है। यहीं क्षमावाणी कहती है–एक बार अपनी बात नहीं, अपने भीतर को देखो। वह आत्मा से पूछती है–क्या बचाकर रखा है हमने, पुरानी नाराजगी या कोई अपना? दिगंबर जैन परंपरा में यह आत्मावलोकन, क्षमा और संबंधों में जमी कठोरता को पिघलाने का अवसर है। इसे केवल धार्मिक परंपरा मानना इसके मानवीय अर्थ को सीमित करना होगा। आज मनुष्य को क्षमा से अधिक अपनी प्रतिक्रियाओं से मुक्ति की जरूरत है।

आज हमारे पास संवाद के साधन अधिक हैं, लेकिन सुनने का धैर्य लगातार कम होता जा रहा है। संदेश गलत समझा गया तो मन में गांठ, उत्तर देर से मिला तो शिकायत, प्रशंसा नहीं मिली तो खटास, बात काटी गई तो अहं को चोट और अपेक्षा अधूरी रही तो रिश्ता कटघरे में खड़ा हो गया। छोटी-छोटी घटनाएँ जुड़कर शिकायतों का अभिलेखागार बन जाती हैं, जिसे मिटाने के बजाय हम बार-बार खोलते रहते हैं। क्षमावाणी उसी पुराने अभिलेखागार को साफ करने का अवसर है। वह पूछती है–भीतर आखिर ऐसा क्या जमा है, जिसे हम छोड़ नहीं पा रहे? कई बार थकान परिस्थितियों से नहीं, वर्षों से ढोई जा रही भावनाओं से होती है।

क्षमा का अर्थ यह नहीं कि सामने वाला सही था, अन्याय उचित था या अपनी गरिमा छोड़ दी जाए। क्षमा का गहरा अर्थ है–मैं अपने भीतर किसी दूसरे के व्यवहार को हमेशा के लिए जगह नहीं दूँगा। चोट देने वाला जिम्मेदार था; उसे वर्षों तक ढोना हमारा अपना बोझ बन जाता है। कई बार शिकायत करने वाला आगे बढ़ चुका होता है, जबकि हम उसी घटना को बार-बार दोहराते रहते हैं। वह सामने नहीं होता, फिर भी उसकी कही बात हमारे वर्तमान को प्रभावित करती रहती है। क्षमावाणी पूछती है–क्या हर पुरानी शिकायत को आज भी अपने वर्तमान का हिस्सा बनाए रखना जरूरी है?

सबसे कठिन काम है मन से कहना–ह्लअब छोड़ भी दो।ह्व कहना सरल, करना कठिन। क्षमा माँगने के लिए अहम् को पीछे हटाना पड़ता है। ह्लमुझे क्षमा करेंह्व तभी सार्थक है, जब भीतर से निकले। ह्लमैंने तुम्हें क्षमा कियाह्व तभी अर्थपूर्ण है, जब बदले की इच्छा न हो। इसलिए क्षमावाणी केवल दो लोगों का संवाद नहीं, मनुष्य और उसके ह्यमैंह्न के बीच की बातचीत है। संघर्ष कई बार दूसरों से नहीं, अपने भीतर से होता है–मैं सही था, मुझे ही क्यों झुकना चाहिए? यहीं ह्यमैंह्न बड़ा हो जाता है। क्षमावाणी इस ह्यमैंह्न को मिटाती नहीं, छोटा करती है। ह्यमैंह्न छोटा होता है तो रिश्तों के लिए जगह बनती है।

हमारी स्मृति विचित्र है। सैकड़ों अच्छी बातें पीछे छूट जाती हैं, लेकिन एक कठोर वाक्य वर्षों तक याद रहता है। किसी की अच्छाई धुंधली पड़ सकती है, पर एक क्षण की कटुता निशान छोड़ जाती है। क्षमावाणी स्मृति मिटाने को नहीं कहती, बल्कि सिखाती है–घटना याद रखो, पर उसका विष मत ढोओ। भूल जाना हमेशा हमारे हाथ में नहीं, लेकिन उस स्मृति को वर्तमान पर शासन करने देना या नहीं, यह हमारे हाथ में है। अतीत नहीं बदल सकते, पर तय कर सकते हैं कि वह आज को कितना प्रभावित करे। क्षमा स्मृति के विरुद्ध नहीं, उस पर अपने अधिकार की घोषणा है। सामने वाला बदले या न बदले, यदि हम अपने भीतर बदलते हैं, तो क्षमा की शक्ति वहीं है।

आज असहमति को दुश्मनी बनने में देर नहीं लगती। विचार अलग हुआ नहीं कि व्यक्ति गलत ठहरा दिया जाता है; बात पसंद नहीं आई तो जवाब देना जरूरी लगता है। हम प्रतिक्रिया देने में इतने तेज हो गए हैं कि उससे पहले विचार के लिए जगह ही नहीं बचती। ऐसे समय में क्षमावाणी सिखाती है–हर बात का उत्तर देना जरूरी नहीं, हर चोट का हिसाब रखना जरूरी नहीं और हर गलती को जीवनभर की सजा बनाना जरूरी नहीं। कभी मौन उत्तर होता है, कभी छोड़ देना स्वतंत्रता। एक क्षण रुकना, क्रोध को पहचानना और तय करना कि इस बात को आगे बढ़ाना भी है या नहीं–यही आत्मसंयम है।

इस बार क्षमा केवल कहने की नहीं, भीतर से निभाने की हो। संदेश भेजने या औपचारिक रूप से ह्लमिच्छामि दुक्कडम्ह्व कहने तक बात सीमित न रहे। उस व्यक्ति को याद करें, जिससे बात बंद है; उस चेहरे को, जिसे देखकर मन सख्त हो जाता है; उस रिश्ते को, जिसमें गलती तय करते-करते रिश्ता पीछे छूट गया। फिर स्वयं से पूछें–क्या मुझे सही साबित होना है या हल्का होना है? सही होना और शांत होना हमेशा साथ नहीं चलते। क्षमावाणी किसी पर उपकार नहीं, अपने भीतर का बोझ उतारने का अवसर है। हमसे भी जाने-अनजाने किसी का मन दुखा होगा और किसी ने हमारा। हम सभी किसी की कहानी में अपराधी भी हैं और आहत भी।

शायद क्षमावाणी का असली अर्थ किसी के सामने हाथ जोड़ना नहीं, बल्कि अपने भीतर जमी कठोरता से हाथ खोल देना है, जिसे हम वर्षों से मुट्ठी में भींचे हुए हैं। कुछ चेहरे, कुछ शब्द, कुछ घटनाएँ हमारे साथ चलती रहती हैं–हम उन्हें भूलना नहीं चाहते, पर हर बार याद करके स्वयं घायल होते रहते हैं। क्षमा उस स्मृति को मिटाती नहीं, उसके भीतर छिपे दर्द से हमें अलग कर देती है। तब समझ आता है कि बीते हुए को बदलना हमारे हाथ में नहीं, लेकिन उसके साथ जीने का ढंग हमारे हाथ में है। शायद क्षमावाणी का सबसे सुंदर क्षण वही है, जब मन किसी दूसरे से नहीं, पहले स्वयं से कहता है–अब इस बोझ के साथ आगे नहीं जाना।

कृति आरके जैन

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

एनआईए ने नालागढ़ थाने में आईईडी विस्फोट मामले में दो और आरोपितों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी) :। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने हिमाचल प्रदेश के नालागढ़ थाने में एक जनवरी, 2026 को हुए आईईडी विस्फोट के मामले में दो और आरोपितों हरमन हैरी और जशन सैनी को गिरफ्तार किया है। इन गिरफ्तारियों के साथ ही मामले में एनआईए की ओर से गिरफ्तार आरोपितों की कुल संख्या आठ हो गई है।

एनआईए के अनुसार, एक जनवरी को सुबह करीब 9:40 बजे नालागढ़ थाने के परिसर में जांच अधिकारी के कमरे से सटी बाहरी दीवार के पास आईईडी विस्फोट हुआ था। इस संबंध में नालागढ़ थाने में प्राथमिकी संख्या 02/2026 दर्ज की गई थी। बाद में मामले की जांच एनआईए ने अपने हाथ में ले ली और आठ मई को इसे फिर से दर्ज किया गया।

जांच एजेंसी ने बताया कि मामले में भारतीय न्याय संहिता, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है। जांच के दौरान हरमन हैरी और जशन सैनी की संलिप्तता सामने आई, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार किया गया।

एनआईए के अनुसार, दोनों गिरफ्तारियां आईईडी विस्फोट से जुड़ी साजिश की जांच के तहत की गई हैं। एजेंसी का उद्देश्य हमले से जुड़े व्यापक नेटवर्क का पता लगाना और साजिश में शामिल अन्य लोगों की भूमिका को उजागर करना है।

इससे पहले एनआईए ने इस मामले में छह आरोपितों को गिरफ्तार किया था। इनमें महावीर कुमार उर्फ काका, अजय मेहरा, मनप्रीत सिंह उर्फ मणि, अर्शदीप सिंह कंडोला उर्फ अर्श कंडोला, करणप्रीत सिंह और दिलजोत सिंह सैनी शामिल हैं।इन आरोपितों को शुरूआत में पंजाब पुलिस ने पंजाब के मोहाली स्थित एसएसओसी थाने में दर्ज प्राथमिकी संख्या 02/2026 और पंजाब के गढ़शंकर थाने में दर्ज प्राथमिकी संख्या 11/2026 के संबंध में गिरफ्तार किया था। इसके बाद एनआईए ने इन्हें नालागढ़ थाने में हुए आईईडी विस्फोट से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया। एनआईए ने कहा कि मामले की जांच जारी है।

ट्राई ने डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग प्लेटफॉर्म किया शुरू

नई दिल्ली, (एजेंसी) :केंद्र सरकार ने संपत्तियों में डिजिटल कनेक्टिविटी को पारदर्शी और मापनीय बनाने की दिशा में डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग प्लेटफॉर्म शुरू किया है। दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की ओर से शुरू किए गए इस एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपभोक्ता किसी संपत्ति की डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग देख सकेंगे और संपत्ति खरीदने या किराये पर लेने से पहले कनेक्टिविटी से संबंधित जानकारी के आधार पर निर्णय ले सकेंगे।

केंद्रीय संचार मंत्रालय के अनुसार, ट्राई ने शुक्रवार को डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग (डसीआर) प्लेटफॉर्म शुरू किया। यह मंच संपत्तियों की डिजिटल कनेक्टिविटी की रेटिंग की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल माध्यम से संचालित करने के साथ उपभोक्ताओं को रेटिंग देखने और प्रमाणपत्र की प्रामाणिकता जांचने की सुविधा देता है। इसके साथ डिजिटल कनेक्टिविटी की जांच के लिए मोबाइल ऐप भी शुरू किया गया है।डीसीआर प्लेटफॉर्म दूरसंचार नियामक प्राधिकरण की ओर से 2024 में जारी ह्यडिजिटल कनेक्टिविटी के लिए संपत्तियों की रेटिंग विनियमह्ण और मई में जारी इसके संशोधित विनियमों के तहत निर्धारित प्रक्रिया को लागू करने में मदद करेगा। ट्राई ने जून 2026 में रेटिंग मैनुअल-2026 भी जारी किया था, जिसमें रेटिंग की प्रक्रिया निर्धारित की गई है।

प्लेटफॉर्म पर उपभोक्ताओं के लिए सार्वजनिक सुविधा उपलब्ध होगी, जहां वे डिजिटल कनेक्टिविटी के लिए रेटिंग प्राप्त संपत्तियों की जानकारी देख सकेंगे। संपत्ति प्रबंधक, पंजीकृत डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग एजेंसी और उपभोक्ता एक ही डिजिटल मंच से जुड़ सकेंगे।

संपत्ति प्रबंधक सार्वजनिक, सरकारी, वाणिज्यिक और निजी जैसी श्रेणियों में अपनी संपत्तियों का पंजीकरण कर सकेंगे। वे रेटिंग के लिए आवेदन जमा करने, निर्धारित जानकारी और दस्तावेज अपलोड करने, पंजीकृत डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग एजेंसी का चयन करने और आवेदन की स्थिति पर नजर रखने में सक्षम होंगे। मंच निर्मित और निमार्णाधीन दोनों तरह की संपत्तियों के आकलन की निर्धारित प्रक्रिया को समर्थन देगा।पंजीकृत डिजिटल कनेक्टिविटी रेटिंग एजेंसियां उन्हें सौंपे गए आवेदनों तक पहुंच सकेंगी और संपत्तियों का आकलन कर सकेंगी।

संक्षिप्त खबरें

बद्रीनाथ में डीजे कार्यक्रम पर मुरली मनोहर जोशी ने जताई आपत्ति, धाम की पवित्रता पर सीधा आघात

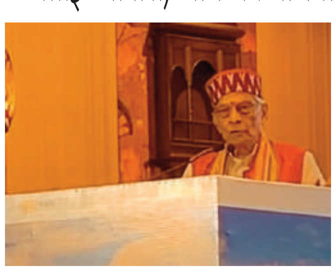

नई दिल्ली,(एजेंसी) : पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष मुरली मनोहर जोशी ने बद्रीनाथ धाम के निकट आयोजित देवभूमि सांस्कृतिक महोत्सव में तेज संगीत और डीजे कार्यक्रम को लेकर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से धाम की धार्मिक एवं सांस्कृतिक मयार्दाओं के साथ-साथ हिमालयी पर्यावरण की भी उपेक्षा होती है।

जोशी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बद्रीनाथ धाम में संगीत समारोह को अनुमति देना ना केवल ह्लसांस्कृतिक मयार्दाओं का उल्लंघनह्व और ह्लधाम की पवित्रता पर भी सीधा आघातह्व है। उन्होंने कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य ने इस धाम की स्थापना हिमालयी पर्यावरण में शांतिपूर्ण तरीके से भगवत भजन के लिए की थी।

उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर शंख बजाना भी वर्जित है, वहां शोर-शराबे वाले संगीत कार्यक्रम आयोजित करना भारतीय आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय मूल्यों की घोर उपेक्षा है। उन्होंने कहा कि इतनी ऊंचाई पर हजारों लोगों के नाचने से उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले संभावित दुष्प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

जोशी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से यह संकेत मिलता है कि ह्लदेवभूमि को बाजारू संस्कृतिह्व में बदला जा रहा है। उन्होंने भारतीय संस्कृति के अनुयायियों, विशेषकर शंकराचार्यों और संत-महात्माओं से संस्कृति के क्षरण को रोकने के लिए आवाज उठाने का आग्रह किया।

उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से ऐसे आयोजनों पर प्रतिबंध लगाने तथा देवभूमि की मयार्दा बनाए रखने का आग्रह किया। जोशी ने कहा कि हिमालय देवात्मा है और भगवान शिव का निवास तथा मां गंगा का उद्गम स्थल है। उन्होंने कहा कि इसे नाच ग्रह में बदलना करोड़ों भारतीयों की आस्था पर गहरा आघात है।

उल्लेखनीय है कि बद्रीनाथ में 19 और 20 सितंबर को ह्यहमारी विरासत, हमारा भविष्यह्ण विषय पर दो दिवसीय देवभूमि सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित किया गया था। भारतीय सेना और चमोली जिला प्रशासन ने ह्यऑपरेशन सद्भावनाह्ण के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में लोक संगीत, लोक नृत्य, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में गायिका प्रियंका मेहर की प्रस्तुति के वीडियो सामने आने के बाद आयोजन स्थल और तेज संगीत को लेकर सोशल मीडिया पर सवाल उठे।

मुंबई में गणपति बप्पा मोरया के जयकारे के साथ गणेश विसर्जन शुरू

मुंबई, (एजेंसी) : अनंत चतुर्दशी के अवसर पर शुक्रवार को मुंबई में गणपति बप्पा मोरया के जयकारों और ढोल-ताशों की गूंज के बीच गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन जुलूस शुरू हो गया है।

पिछले दस दिनों से भगवान गणेश की पूजा-अर्चना और सेवा करने के बाद गणेश भगवान को विदाई देने के लिए जैसे भक्तों का हुजूम मुंबई की सडकों पर उतर गया है। पूरा मुंबई शहर गणेशमय हो गया है। मुंबई के मशहूर सार्वजनिक गणेश मंडलों में आज सुबह पूजा और आरती के बाद कई प्रमुख मंडलों की प्रतिमाएं विसर्जन के लिए रवाना हुईं।इस दौरान जुलूसों में पारंपरिक संगीत, ढोल-ताशे और भक्ति गीतों के बीच गुलाल तथा फूलों की पंखुडि़यों की बारिश की जा रही है। लालबाग-परेल इलाके में बड़ी संख्या में श्रद्धालु सडकों पर जमा हुए हैं। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं, जो विसर्जन जुलूस देखने और उत्सव के माहौल का आनंद लेने पहुंचे हैं। गणेशोत्सव के दौरान मुंबई तथा देश के अन्य हिस्सों से श्रद्धालु प्रसिद्ध गणेश मंडलों के दर्शन के लिए लालबाग पहुंचे हैं। आज सुबह 11 बजे से पहले ही कई प्रमुख गणेश प्रतिमाओं के जुलूस शुरू हो गए। इनमें गणेश गली का मुंबईचा राजा, करी रोडचा कैवारी, परेलचा राजा, कालाचौकी का महागणपति और तेजुकाया मैंशन का गणपति शामिल हैं।

मुंबई के मशहूर लालबागचा राजा और चिंचपोकलीचा चिंतामणि समेत कुछ अन्य प्रमुख मंडलों की प्रतिमाएं भी पूजा और आरती के बाद विसर्जन के लिए मार्गस्थ हो गई हैं। लालबाग की श्रॉफ बिल्डिंग में पुष्पवृष्टि के बाद इन प्रतिमाओं के गिरगांव चौपाटी, दादर चौपाटी और अन्य विसर्जन स्थलों की ओर रवाना होने की उम्मीद है। मुंबई के अन्य हिस्सों में भी गणेश विसर्जन जुलूस उत्साह के साथ शुरू हुए हैं। बोरीवली में ह्यउपनगरचा राजाह्ण की प्रतिमा का जुलूस भी विसर्जन स्थल की ओर बढ. रहा। गणेश प्रतिमाओं के सुचारू विसर्जन के लिए मुंबई पुलिस और मुंबई नगर निगम ने व्यापक सुरक्षा एवं नागरिक सुविधाओं की व्यवस्था की है।अधिकारियों के अनुसार यातायात नियंत्रण और जुलूसों की आवाजाही को सुचारू बनाए रखने के लिए 24,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, जबकि बीएमसी ने करीब 25,000 कर्मचारियों को ड्यूटी पर लगाया है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने युवाओं से संवाद में दिया सफलता का नया मंत्र- अच्छा इंसान और अच्छा नागरिक बनना जरूरी

जयपुर, (एजेंसी) : जयपुर के बिड़ला सभागार में शुक्रवार को ह्यसेवा संकल्प अभियानह्ण के युवा संवाद कार्यक्रम में युवाओं के सपनों, संकल्पों और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवाओं से संवाद किया। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आये युवा भी इस कार्यक्रम से जुड़े। कार्यक्रम में प्रतिभावान युवाओं ने अपने अनुभव और भविष्य की योजनाएं साझा कीं।

नितिन नवीन ने युवाओं से कहा कि जीवन में सफलता का अर्थ केवल अच्छा चिकित्सक, अभियंता या व्यवसायी बनना नहीं है, बल्कि अच्छा इंसान और जिम्मेदार नागरिक बनना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से बड़े लक्ष्य तय करने और जिस काम को हाथ में लें, उसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जीवन को छोटी दौड़ की तरह नहीं, बल्कि लंबी यात्रा की तरह देखना चाहिए।असफलता आने पर रुकने के बजाय निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

उन्होंने युवाओं को शॉर्टकट से बचने और मेहनत को सफलता का आधार बनाने की सीख दी। साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नई तकनीकों का सकारात्मक उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं में अपनी क्षमताओं पर विश्वास पैदा कर देश को आगे बढ़ाने की भावना मजबूत करना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित भारत-2047 के निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से समाज के प्रति संवेदनशील रहते हुए राष्ट्र सेवा से जुड़ने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने युवाओं के भविष्य के लिए शिक्षा, कौशल, रोजगार, उद्यमिता, खेल और नेतृत्व के क्षेत्र में अवसर उपलब्ध कराने की बात कही।

उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, कौशल विकास और युवाओं से जुड़ी विभिन्न केंद्र एवं राज्य सरकार की पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि राजस्थान में भी युवा नीति और कौशल नीति सहित कई पहल लागू की गई हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार पिछले ढाई वर्ष में एक लाख 90 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां दी गई हैं, जबकि एक लाख 22 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है।

कार्यक्रम में युवाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए विकसित भारत और विकसित राजस्थान के निर्माण में भागीदारी का संकल्प व्यक्त किया। विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाले युवा भी संवाद का हिस्सा बने। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

यह कार्यक्रम युवाओं को केवल रोजगार और करियर की दृष्टि से नहीं, बल्कि चरित्र, जिम्मेदारी, तकनीक के सदुपयोग और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने पर केंद्रित रहा।

छत्तीसगढ़ के बालोद में गेहूं से लदे ट्रक ने पिकअप वाहन को मारी टक्कर, छह की मौत, सात गंभीर

छत्तीसगढ़ के बालोद में गेहूं से लदे ट्रक ने पिकअप वाहन को मारी टक्कर, छह की मौत, सात गंभीर

-मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घटना पर शोक जताया

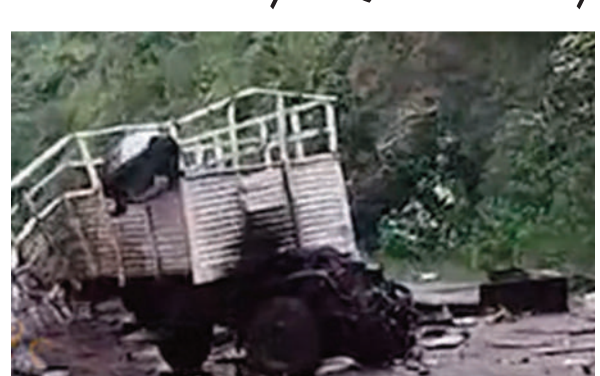

बालोद/रायपुर, (एजेंसी) : छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर मरकाटोला घाट के पास शुक्रवार दोपहर हुए भीषण सड़क हादसे में छह युवकों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की है।पुलिस के अनुसार दोपहर करीब एक बजे गेहूं से भरे एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे डीजे एवं धुमाल बंधे खड़ी पिकअप वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक पलट गया और पिकअप के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कुछ युवक ट्रक के नीचे दब गए, जबकि कई अन्य दूर जा गिरे। सूचना मिलते ही डायल-112 और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तथा घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। हादसा पुरूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुआ है। सभी मृतक कवर्धा जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। गुरुर के एसडीओपी माया शर्मा ने हादसे में छह लोगों की मौत की पुष्टि की है।

हादसे में कोमल साहू, अनीश पात्रे, दीपक कुंभकार, कृष्णा चौहान, राजा और सुंदर साहू की मृत्यु हो गई। वहीं प्रमोद (चालक), अरमान, दीपचंद, भुनेश्वर, गणेश पात्रे, रूपेश और अनमोल सहित सात लोग घायल हुए हैं।

पुरूर पुलिस के अनुसार लगातार बारिश के कारण सड़क पर फिसलन होने से दुर्घटना की आशंका जताई जा रही है, हालांकि हादसे के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। दुर्घटना के कारण मरकाटोला घाट में कुछ समय तक यातायात भी प्रभावित रहा।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुखद घड़ी में राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की है।

एसआईआर में वीआईपी मतदाता श्रेणी को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल, खेड़ा ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की

नई दिल्ली, (एजेंसी) : कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने शुक्रवार को एसआईआर के दौरान ह्यवीआईपीह्ण मतदाताओं के लिए अलग व्यवस्था बनाए जाने का आरोप लगाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर सवाल उठाए और उनके इस्तीफे की मांग की। उन्होंने दावा किया कि देशभर में एसआईआर के जरिए 13 करोड़ से अधिक लोगों को मताधिकार से वंचित किया गया है और दिल्ली में चुनाव आयोग ने आम मतदाताओं तथा ह्यवीआईपीह्ण मतदाताओं के लिए अलग-अलग व्यवस्था बनाई है।

पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में खेड़ा ने कहा कि एक वेबसाइट की रिपोर्ट में एसआईआर से जुड़े अधिकारियों को ह्यवीआईपीह्ण मतदाताओं की पहचान करने के निर्देश दिए जाने और एक अखबार की रिपोर्ट में बीएलओ ऐप में ह्यमार्क वीआईपीह्ण सुविधा जोड़े जाने की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि बीएलओ ऐप में यह सुविधा 30 जुलाई को जोड़ी गई थी और इसके जरिए बूथ लेवल अधिकारी सत्यापन के दौरान किसी मतदाता को वीआईपी के रूप में चिह्नित कर सकते हैं। इसके बाद प्रविष्टि की जांच एईआरओ, ईआरओ और दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के स्तर पर की जाती है। चुनाव आयोग के मार्च 2023 के मैनुअल में सांसदों, विधायकों, घोषित पदों पर बैठे लोगों तथा कला, संस्कृति, पत्रकारिता, खेल, न्यायपालिका और लोक सेवाओं से जुड़े कुछ लोगों को मार्क्ड इलेक्टर्स के रूप में चिह्नित करने का प्रावधान बताया गया है।खेड़ा ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार ने अन्य दोनों चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों को नजरअंदाज किया और चुनाव आयोग को अकेले संचालित किया।

ग्वालियर टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन की कार्ययोजना पर सिंधिया ने की समीक्षा

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को ग्वालियर में प्रस्तावित टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन (टीएमजेड) की आगामी कार्ययोजना की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को परियोजना से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने, विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने और निर्धारित समयसीमा के अनुसार जमीनी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

संचार मंत्रालय के अनुसार, बैठक में टीएमजेड के क्रियान्वयन और आगे की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। सिंधिया ने अधिकारियों से जमीनी स्तर पर चल रहे कार्यों में तेजी लाने तथा निवेशकों के लिए आवश्यक सुविधाएं और अनुकूल वातावरण तैयार करने पर विशेष ध्यान देने को कहा।ग्वालियर में प्रस्तावित टीएमजेड को एशिया का पहला टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन बताया गया है। इसके लिए 30 जुलाई 2026 को केंद्रीय दूरसंचार विभाग और मध्य प्रदेश सरकार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए थे।

परियोजना को लेकर नई दिल्ली में आयोजित पहली निवेशक राउंडटेबल में 3,500 करोड़ रुपये के निवेश और करीब 14,000 रोजगार अवसरों की प्रतिबद्धता सामने आई थी। इसके बाद 4 अगस्त 2026 को मुंबई में आयोजित निवेशक बैठक में करीब 2,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश की प्रतिबद्धता मिली। इससे प्रस्तावित कुल निवेश 5,500 करोड़ रुपये और संभावित रोजगार अवसर 18,000 से अधिक हो गए हैं।

हाल ही में सिंधिया ने ग्वालियर में टीएमजेड के लिए प्रस्तावित भूमि का स्थल निरीक्षण कर परियोजना की तैयारियों और जमीनी स्थिति की जानकारी ली थी। इसके बाद उन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ बेंगलुरु में आयोजित निवेशक राउंडटेबल में निवेशकों से परियोजना को लेकर चर्चा की थी। कि टीएमजेड के पहले चरण में 170 एकड़ क्षेत्र में प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक क्लस्टर विकसित किया जाना प्रस्तावित है।

नई दिल्ली में बिरसिंहपुर सोलर-बैटरी स्टोरेज परियोजना पर निवेशक संवाद, मप्र ने निवेशकों के सामने रखी परियोजना

कार्यक्रम में निवेशकों और हितधारकों से हुआ संवाद

भोपाल, (एजेंसी) : मध्य प्रदेश ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 से पहले हरित ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं निवेशकों के सामने रखीं। नई दिल्ली स्थित मध्य प्रदेश भवन में शुक्रवार को आयोजित निवेशक संपर्क एवं हितधारक परामर्श कार्यक्रम में बिरसिंहपुर की 200 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर और 50 मेगावाट/100 मेगावाट घंटा बैटरी स्टोरेज परियोजना को लेकर 39 से अधिक डेवलपर फर्मों और प्रमुख ऊर्जा-वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों से संवाद हुआ।मप्र नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने कहा कि परियोजना तथा मध्यप्रदेश में हरित ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए। अपर उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश नवाचारी पूल्ड फाइनेंसिंग तंत्र और शासन के सहयोग के माध्यम से शहरी अधोसंरचना के वित्तपोषण में एक नया मानक स्थापित कर रहा है। डेवलपर्स, वित्तीय संस्थानों और ऊर्जा क्षेत्र के प्रमुखों द्वारा प्रदर्शित मजबूत रुचि प्रदेश की विकास दृष्टि, संस्थागत विश्वसनीयता और सतत शहरी विकास के प्रति प्रतिबद्धता में निवेशकों के विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि विभागों और सार्वजनिक संस्थानों के बीच समन्वित प्रयासों से ऐसे प्रोजेक्ट विकसित किए जा रहे हैं, जो पर्यावरण की दृष्टि से उत्तरदायी होने के साथ वित्तीय रूप से सुदृढ़ और निवेश के लिए तैयार हैं।कार्यक्रम में मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक मंजीत सिंह ने परियोजना के उद्देश्य एवं स्वरूप की जानकारी दी। अधीक्षण अभियंता अवनीश शुक्ला ने परियोजना का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया।निवेशकों एवं अन्य हितधारकों के साथ हितधारक परामर्श एवं प्रश्नोत्तर सत्र हुआ। इसमें परियोजना से संबंधित विभिन्न विषयों पर खुली चर्चा हुई तथा निवेशकों एवं हितधारकों से सुझावों का आदान-प्रदान किया गया। कार्यक्रम का समन्वय मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी के तकनीकी अधिकारी कमलेश भटनागर और सीईओ गणवीर सिंह ने किया।कार्यक्रम में मध्य प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में उपलब्ध निवेश संभावनाओं, परियोजना के विभिन्न पहलुओं तथा इसके संभावित अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई। यह संवाद ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए मध्य प्रदेश की निवेश संभावनाओं को निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत करने की दिशा में महत्वपूर्ण रहा।

किट्स की मदद से कलाकारी

डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को देखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं। आर्ट एंड क्राफ्ट की फील्ड में जितनी वैरायटी आ गई है, अब उतने ही वेरिएशन उनके किट्स में भी आ चुके हैं। डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अब अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को ध्यान में रखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं।

इको क्राफ्ट किट

यदि बच्चे कुछ पॉजिटिव आर्ट वर्क करना चाहते हैं, तो उनके लिए इको क्राफ्ट जैसे ऑप्शन बेहतर होंगे। इसमें रीसाइकल पेपर से लेकर वुडन बटन्स तक रहते हैं, जिसकी मदद से अर्थ फ्रेंडली क्राफ्ट बच्चे तैयार कर सकते हैं।

कलाइडोस्कोप के लिए मटेरियल

कलाइडोस्कोप बनाने के लिए अब तुम्हें अलग-अलग चीजें ढूंढने की जरूरत नहीं। इसके लिए भी किट मौजूद है, जिसकी मदद से तुम अपना मनपसंद कलाइडोस्कोप तैयार कर सकते हो। कुछ किट्स में तो 12 कलाइडोस्कोप बनाने तक के मटेरियल रहते हैं।

क्राफ्ट के लिए और भी जरूरी हैं कई चीजें

पेंट : इन्हें तुम पेंटब्रश, स्टिक्स, मार्बल, बबल या फिंगर की मदद से यूज कर सकते हो।

वुडन स्टिक : पपेट्स, स्टिक बिल्डिंग और आर्टिफिशियल फ्लावर्स बनाने में बड़े काम के साबित होते हैं।

बीड्स : होममेड ज्वैलरी के लिए या डेकोरेशन के लिए बीड्स का इस्तेमाल कर सकते हो।

किड्स फ्रेंडली सीजर : अब ऐसे सीजर्स अवेलेबल हैं, जिससे बच्चों को चोट लगने का खतरा कम रहता है।

कुछ चीजें हैं आस-पास

आर्ट एंड क्राफ्ट में यूज होने वाली कुछ ऐसी चीजें भी होती हैं जो तुम्हारे घर में वेस्ट के रूप में रहती हैं लेकिन तुम इन्हें अपने आर्ट वर्क को और बेहतर बनाने के लिए प्रयोग में ला सकते हो, जैसे:

- खाली टॉयलेट पेपर रोल
- खाली टिशू बॉक्स
- शूज बॉक्सेस
- प्लास्टिक कप्स
- दवाइयों की खाली शीशी
- बेकार बटन्स
- बबल रैप
- पेपर बैग
- किचन स्पोंज

यह है डॉल हॉस्पिटल!

बड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है। 1913 में हैरॉल्ड चैपमैन ने अपने जनरल स्टोर के साथ ही एक डॉल हॉस्पिटल भी खोला था। उस समय हैरॉल्ड के भाई सेल्युलॉयड डॉल्स जापान से इम्पोर्ट करने का काम करते थे। डॉल्स को लाने के दौरान कई बार उनमें टूट-फूट हो जाया करती थी और उसे देखकर ही हैरॉल्ड को उन्हें रिपेयर करने का आइडिया आया।

जब लोगों को पता चला कि हैरॉल्ड डॉल्स को रिपेयर करने का काम करते हैं तो वो लोग अपनी टूटी डॉल, सॉफ्ट एनिमल टॉय लेकर पहुंचने लगे और इस तरह डॉल हॉस्पिटल का जन्म हुआ। अब इस डॉल हॉस्पिटल को देखने का काम हैरॉल्ड के पोते करते हैं। अपने दादाजी और पिताजी के पैशन को आगे बढ़ाते हुए ज्यॉफ चैपमैन उसी लगन से काम कर रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि जेनरेशन के साथ-साथ डॉल हॉस्पिटल और भी एडवांस हो गया है।

इस हॉस्पिटल में आने वाली डॉल्स की रेंज काफी बड़ी है जिसमें मॉडर्न डॉल से लेकर एंटीक डॉल्स भी रिपेयर होने के लिए आती हैं। यहां तक कि सूटकेस, हैंडबैग, छाते जैसी चीजों को भी लोग रिपेयर करवाने पहुंचते हैं। अभी तक इस हॉस्पिटल में 30 लाख डॉल्स बीमार होकर आईं और ठीक होकर गई हैं। ब ड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है।

असली अस्पतालों जैसा

यह डॉल हॉस्पिटल सामान्य हॉस्पिटल की तरह ही रियल दिखता है। इसमें डॉल को रिपेयर करने का काम उसकी जरूरत और उस समय जो स्पेशलिस्ट मौजूद होता है उसके अनुसार किया जाता है। यहां 12 लोगों का स्टाफ है और हरेक डॉक्टर के पास अलग-अलग स्पेशलाइजेशन है।

इस कुएं में मौजूद है 30 किलोमीटर लंबी खुफिया सुरंग

पूरी दुनिया में तमाम ऐसे रहस्य हैं जिनके बारे में इंसान आज तक पता नहीं लगा पाया.इनमें से बहुत से रहस्य तो हमारे ही देश में मौजूद है जो आज भी लोगों को आश्चर्य में डाल देते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं.बता दें कि पुराने जमाने में राजा-महाराजा अक्सर अपने राज्य में जगह-जगह कुआं खुदवाते रहते थे.जिससे जनता के लिए पानी की कमी न हो.उस जमाने में हर स्थान पर तमाम कुएं मिल जाया करते थे.जिनके अवशेष आज भी पाए जाते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही कुएं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें एक खुफियाय सुरंग बनाई गई थी.

इस कुएं को 'रानी की बावड़ी' के नाम से जाना जाता है.दरअसल, बावड़ी का मतलब सीढ़ीदार कुआं होता है.'रानी की बावड़ी' का इतिहास 900 साल से भी ज्यादा पुराना है.अब इस बावड़ी को देखने के लिए हजारों पर्यटक हर साल यहां पहुंचते हैं.साल 2014 में यूनेस्को ने इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था. ये बावड़ी गुजरात के पाटण में स्थित है जिसे रानी की वाव भी कहा जाता है. कहते हैं कि रानी की वाव यानी बावड़ी का निर्माण 1063 ईस्वी में सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में उनकी पत्नी रानी उदयामति ने करवाया था.रानी उदयमति जूनागढ़ के चूड़ासमा शासक रा खेंगार की पुत्री थीं.

रानी की वाव 64 मीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी और 27 मीटर गहरी है.यह भारत में अपनी तरह का सबसे अनोखी वाव है. इसकी दीवारों और स्तंभों पर बहुत सी कलाकृतियां और मूर्तियों की शानदार नक्काशी की गई है.इनमें से अधिकांश नक्काशियां भगवान राम, वामन, नरसिम्हा, महिषासुरमर्दिनी, कल्कि आदि जैसे अवतारों के विभिन्न रूपों में भगवान विष्णु को समर्पित हैं.ये बावड़ी सात मंजिला है जो मारू-गुर्जर वास्तु शैली का साक्ष्य है.यह करीब सात शताब्दी तक सरस्वती नदी के लापता होने के बाद गाद में दबी हुई थी. नन्हे गजराज को पकड़ने के लिए गन्ने का लालच दे रहा था युवक, वीडियो में देखें जब बच्चे को आया गुस्सा तो हुआ क्या

इसे भारतीय पुरातत्व विभाग ने फिर से खोजा और साफ-सफाई करवाई.उसके बाद यहां पर्यटकों का आना जाना शुरु हो गया.कहते हैं कि इस विश्वप्रसिद्ध सीढ़ीनुमा बावड़ी के नीचे एक छोटा सा गेट भी है, जिसके अंदर करीब 30 किलोमीटर लंबी सुरंग बनी हुई है.यह सुरंग पाटण के सिद्धपुर में जाकर खुलती है.ऐसा माना जाता है कि पहले इस खुफिया सुरंग का इस्तेमाल राजा और उसका परिवार युद्ध या फिर किसी कठिन परिस्थिति में करते थे. लेकिन अब ये सुरंग पत्थरों और कीचड़ों की वजह से बंद हो गई है.

रहस्यमयी पेड़, छूते ही करता है इंसानों जैसी हरकत, गुदगुदी करने पर हंसता है

ऐसा माना जाता है कि इंसानों की तरह पेड़-पौधौं में भी जीवन होता है। भारत में कई पेड़-पोधौं की पूजा भी की जाती है और उन्हें ईश्वर को दर्जा दिया जाता है। वहीं हमारे देश के जंगलों में कई रहस्य भी भरे पड़े हैं। उत्तराखंड के नैनीताल में के एक जंगल में भी एक ऐसा ही रहस्य छिपा हुआ है, जो वाकई अपने आप में हैरान करने वाला है। ये रहस्य है एक पेड़ का जो इंसानों जैसी हरकत करता है। लेकिन इसके लिए आपके इंसानों की तरह ही इसके साथ गुदगुदी करनी होगी।

दरअसल, कालाढूंगी के जंगलों में एक ऐसा पेड़ है जो बिल्कुल इंसानों की तरह ही हरकते करता है। इस पेड़ को इंसानों की तरह गुदगुदी होती है। जब कोई इस पेड़ को हाथ लगता है तो उस पेड़ को गुदगुदी शुरू हो जाती है। उसकी टहनियां और पत्तियां हंसने लगती है। इस पेड़ के तने में अगर अंगुलियां रगड़ी जाएं तो इसकी शाखाएं हिलने लगती है। इसी वजह से इस पेड को हंसने वाला पेड़ भी कहा जाता है। दूर दूर से लोग इस जंगल में इस पेड़ को देखने आते हैं। इस हंसने वाले पेड़ का वानस्पतिक नाम 'रेंडिया डूमिटोरम' है। इस पेड़ को हाथ लगाने पर इसे गुदगुदी क्यों होती है, इस पर कई शोध किए जा रहे हैं। इस पेड़ की गुदगुदी को देखने के लिए पर्यटक दूर दूर से आते हैं। कई लोगों खुद इस पेड़ को गुदगुदी करते हैं लोगों ने पाया कि इस पेड़ के सारे तने जोर जोर से हिलने लगते हैं। यही वजह है कि लोग इस पेड़ को देखने जंगल की गहराइयों तक पहुंचे जाते हैं।

समाधान

कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

राजा विक्रमसिंह अत्यंत चिंतित थे, कुछ ही दिनों पूर्व राज्य के एक हिस्सें में उनके खिलाफ विद्रोह करने का प्रयत्न किया गया था, जिसे राजा विक्रमसिंह ने वक्त रहते अपनी सूझबूझ तथा सेना के द्वारा नियंत्रण में कर लिया था। लेकिन इस विद्रोह ने उन्हें प्रजा में अपने प्रति बढ़ते आक्रोश का संकेत दे दिया था और यही राजा विक्रमसिंह की चिंता का मुख्य कारण था।

मंत्रीगण आप सभी का विचार है, प्रजा पुनः विद्रोह न करे इसके लिए हमें क्या करना चाहिए। राजा विक्रमसिंह ने मंत्रियों तथा सेनापति से पूछा।

महाराज, मेरा विचार है कि जिस स्थान पर आपके विरुद्ध विद्रोह हुआ है वहां के समस्त नागरिकों को राज्य से निकाल देना चाहिए। एक मंत्री ने कहा।

महाराज, मेरे विचार में हमें उस स्थान पर अत्यधिक संख्या में सेना नियुक्त कर देनी चाहिए जिससे दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर वो तत्काल कार्यवाही कर सके और विद्रोह को उग्र रूप लने से पूर्व ही समाप्त किया जा सके। सेनापति ने सुझाव प्रस्तुत किया।

महाराज, हम भी सेनापति जी के सुझाव से सहमत हैं। कुछ मंत्रियों ने सेनापति के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा।

सेनापति जी आपके द्वारा दिया गया सुझाव निश्चित रूप से विचार योग्य है, किंतु यह भी इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। ऐसा करने से उस क्षेत्र की प्रजा में यह गलत संदेश जाएगा कि हम उन पर अविश्वास करते हैं। इससे भी वहां के नागरिकों में रोष बढ़ेगा। राजा विक्रमसिंह ने कहा तो दरबार में सन्नाटा छा गया।

तत्पश्चात इस संबंध में अलग-अलग सुझाव प्रस्तुत करने लगे किंतु राजा विक्रमसिंह को कोई भी सुझाव उचित नहीं लगा।

महामंत्री जी, सभा में उपस्थित सभी मंत्रियों ने हमारे समक्ष अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए, किंतु आपने अभी तक हमें अपनी राय से अवगत नहीं कराया। हम जानना चाहते हैं कि आपकी राय में इस समस्या का क्या समाधान है।-राजा विक्रमसिंह ने महामंत्री ज्ञानसेन से पूछा।महाराज, यह अत्यंत गंभीर विषय है। अतः इस बारे में विचार करने हेतु मुझे कुछ समय की आवश्यकता है। महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीर स्वर में कहा।

ठीक है, महामंत्री जी। हम आपको इस विषय पर विचार करने हेतु तीन दिन का समय देते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस समस्या का कोई उचित समाधान तलाश कर सकेंगे। राजा विक्रमसिंह ने कहा और सभा समाप्त हो गई।

उसी शाम राजा विक्रमसिंह, महामंत्री ज्ञानसेन के साथ शाही उद्यान में घूम रहे थे। चलते-चलते उनकी निगाह उद्यान में लगे कुछ पौधों पर पड़ी। इन पौधों के कारण पूरे उद्यान का सौंदर्य नष्ट हो रहा है! राजा विक्रमसिंह बोले तो उन्होंने एक सेवक को उन पौधों को उखाड़ने का आदेश दिया।

राजा विक्रमसिंह का आदेश पाकर सेवक उन पौधों को उखाड़ने लगा। कुछ पौधों को तो सेवक ने बेहद सरलतापूर्वक उखाड़ दिया, किंतु अन्य पौधों को उखाड़ने में उसे अत्यधिक परिश्रम करना पड़ा।

महाराज, मुझे आपकी समस्या का समाधान प्राप्त हो गया। एकाएक महामंत्री ज्ञानसेन ने कहा।

कैसा समाधान मंत्री जी?

महाराज, इन पौधों को देखिए। इनमें से कुछ पौधे तो सरलतापूर्वक भूमि से अलग हो गए, लेकिन कुछ को उखाड़ने में बहुत मुश्किल हुई। ऐसा इसलिए, क्योंकि इन पौधों की जड़ें भूमि में अन्य पौधों की अपेक्षा अधिक गहरी तथा मजबूती से जुड़ी हुई थीं।

महामंत्री जी हम आपके कथन का अर्थ नहीं समझे?

महाराज, जिस प्रकार इन पौधों की जड़ें भूमि में गहराई तक जुड़ी हुई हैं इसलिए इन्हें भूमि से अलग करना कठिन है। उसी प्रकार यदि आपकी लोकप्रियता रूपी जड़ें भी प्रजा में काफी गहराई तक समा जाएं तो फिर जो भी आपको प्रजा से अलग करने का अर्थात विद्रोह करवाने का प्रयास करेगी उसके लिए यह कार्य अत्यंत कठिन होगा। इसके लिए आपको प्रजा के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करनी चाहिए।

किंतु समस्त प्रजा के लिए हमने तो पहले से ही अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ की हुई हैं!

महाराज, आपका कथन ठीक है। लेकिन उन योजनाओं का लाभ प्रजा को प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं; आपके इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए। राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार भी प्रजा में असंतोष का मुख्य कारण है।-महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीरतापूर्वक कहा।

राजा विक्रमसिंह ने ध्यानपूर्वक महामंत्री ज्ञानसेन की बातें सुनीं और फिर उस पर अमल करना आरंभ कर दिया। कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

कुछ दिनों पश्चात राजा विक्रमसिंह को ज्ञात हुआ कि राज्य के एक हिस्से में पुनः विद्रोह करने का प्रयास किया गया है किंतु इस बार राजा विक्रमसिंह को कोई भी कार्यवाही करने की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि प्रजा ने स्वयं बगावत के लिए उन्हें भड़काने वाले नागरिकों को पकड़कर राजा विक्रमसिंह के समक्ष प्रस्तुत कर दिया।

महाराज, यह सभी तो हमारे शत्रु राज्य ज्वालागढ़ के गुप्तचर हैं।सेनापति ने नागरिकों द्वारा पकड़कर दरबार में लाये गये व्यक्तियों को देखकर कहा।

महाराज, यही हमें आपके विरुद्ध भड़काते थे और विद्रोह करने के लिए प्रेरित करते थे। हमें बेहद अफसोस है कि इनकी बातों में आकर एक बार हमने विद्रोह करने का अपराध किया। उन गुप्तचरों को दरबार में उपस्तिथ करने वाले नागरिकों ने खेदपूर्वक कहा।

जो हुआ उसे भूल जाइए। हमें प्रसन्नता है कि इस बार आप सब शत्रु राज्य के गुप्तचरों के बहकावे में नहीं आए। हमें पर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप सब शत्रु राज्यों के गुप्तचरों के बहकावे में आकर कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेंगे जिससे राज्य का अहित हो।

जी महाराज। राजा विक्रमसिंह की बात सुनकर दरबार में उपस्थित नागरिकों ने कहा।

तत्पश्चात राजा विक्रमसिंह ने दरबार में उपस्थित सभी नागरिकों को पुरस्कृत करके दरबार से विदा किया और महामंत्री ज्ञानसेन को भी विशेष रूप से पुरस्कृत किया, जिनकी सलाह द्वारा एक विकट समस्या का समाधान हो गया था और राज्य में अमन तथा शांति स्थापित हुई थी।